हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, शनिवार, 14 दिसम्बर 2024 वर्ष : 5, अंक : 167 पृष्ठ : 8, मूल्य : 2.00 रु web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

श्रीलंका के राष्ट्रपति रविवार से भारत यात्रा पर

एजेंसी, नई दिल्ली । श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसनायके तीन दिवसीय भारत यात्रा पर आ रहे हैं। श्रीलंका के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद यह उनकी पहली अन्तरराष्ट्रीय यात्रा होगी।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को नियमित पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। दिसानायके 15 से 17 दिसंबर तक तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत आयेंगे। अपनी यात्रा के दौरान दिसानायके भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उनका बौद्ध गया जाने का भी कार्यक्रम है। राष्ट्रपति दिसानायके की यात्रा के बारे में श्रीलंका के कैबिनेट प्रवक्ता और स्वास्थ्य मंत्री नलिंदा जयतिसा ने भी बताया राष्ट्रपति के साथ विदेश मंत्री विजिता हेराथ और वित्त उप मंत्री अनिल जयंता फर्नांडो भी होंगे। उल्लेखनीय है कि दिसानायके इसी साल सितम्बर माह में श्रीलंका के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। उसके बाद भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी कोलंबो यात्रा के दौरान 4 अक्टूबर को उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया था।

आरबीआई मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी, मामला दर्ज

एजेंसी, मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) को शुक्रवार को एक धमकी भरा ई-मेल मिला। इसमें आरबीआई के मुंबई मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ये ई-मेल आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर आया है, जिसमें धमकी रूसी भाषा में दी गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरबीआई मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल की जानकारी मिलने पर मुंबई पुलिस ने भारतीय न्याय संहित की संबंधित धाराओं के तहत इस मेल को भेजने वाले के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक आज सुबह मुंबई स्थित आरबीआई मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी वाला ई-मेल मिला। इस धमकी के संबंध में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और फिलहाल जांच चल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संसद हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज संसद पर हुए आतंकी हमले की 23वीं बरसी पर अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और और अन्य नेता शामिल हैं। 13 दिसंबर 2001 को दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल जगदीश, मातबर, कमलेश कुमारी, नानक चंद और रामपाल, दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल ओम प्रकाश, बिजेंद्र सिंह और घनश्याम तथा सीपीडब्ल्यूडी के माली देशराज ने आतंकवादी हमले के दौरान संसद की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया था।

कुंभ में एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी : पीएम नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने प्रयागराज को दी 5500 करोड़ के विकास परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी, महाकुम्भ नगर (प्रयागराज)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान 5500 करोड़ रुपये की 167 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री पूरी तरह से कुंभ के रंग में रंगे दिखे। उन्होंने संबोधन में कई श्लोक के जरिए प्रयागराज और कुभ की महिमा का बखान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस महाकुंभ से एकता का संदेश निकलेगा, भाषा, जाति और क्षेत्र का कोई भेद नहीं होगा। यहां सब एक होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर मुझे इस महाकुंभ का वर्णन करना हो तो मैं कहूंगा कि एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। इस आयोजन की भव्य एवं दिव्य सफलता की शुभकामनाएं देता हूं। हमारा भारत पवित्र नदियों और तीर्थस्थलों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, उनका संगम, उनका समुच्चय, संयोग, प्रभाव प्रताप प्रयाग है। यह केवल तीन पवित्र नदियों का संगम ही नहीं है। श्लोक के साथ प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं सभी दैवीय शक्तियां प्रयाग में आ जाती हैं। प्रयागराज की प्रशंसा वेदों में भी किया गया है। उन्होंने प्रयाग के पवित्र स्थलों का जिक्र करते हुए गुणगान किया। यह वह धरती है जहां धर्म, अर्थ, कम और मोक्ष सुलभ है। मुझे आशीर्वाद है कि यहां बार-बार आने का सौभाग्य मिलता है। आज हमने लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन किया। अक्षय वट का पूजन किया। इन दोनों स्थलों पर कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। यहां हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ है। आप सबको इसके लिए बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सैकड़ों साल की गुलामी का कालखंड रहा हो या कोई अन्य विपरीत परिस्थिति, आस्था का यह प्रवाह कभी नहीं रुका। यह

इसलिए संभव हुआ है क्योंकि कुंभ में आना स्वतः चेतना की प्रेरणा से होता है। ऐसा संगम शायद ही दुनिया में कहीं मिलता है। यहां ज्ञानी, अज्ञानी, छोटे-बड़े, जातियों का भेद मिट जाता है। सब एक हो जाते हैं। इस बार भी यहां अलग-अलग राज्यों से करोड़ों लोग जुटेंगे। उनकी भाषा, मान्यताएं अलग हो सकती हैं लेकिन यहां सब एक हो जाएंगे। इसीलिए मैं कहता हूं कि यह एकता का महाकुंभ होगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत की तस्वीर महाकुंभ पेश करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुंभ में देश की स्थिति परिस्थिति पर संत महात्माओं का जुटान होता है। वे बैठकर चर्चा परिचर्चा करते थे। समाज की समस्याओं का हल निकालने का संदेश देते थे। आज भी वह प्रवाह चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुंभ का इतना महत्व होने के बावजूद पहले की सरकारों में इस पर ध्यान नहीं दिया गया। श्रद्धालु कष्ट उठाते रहे लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। उनका सनातन भारतीय संस्कृति से लगाव नहीं था। आज की डबल इंजन की सरकार संस्कृति और सभ्यता को महत्व देने वाली हैं। इसलिए हजारों करोड़ की परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। अयोध्या, वाराणसी, लखनऊ, रायबरेली से कनेक्टविटी को बेहतर किया गया है। हमारी सरकार ने विकास के साथ-साथ विरासत को भी समृद्ध बनाने पर फोकस किया है। आज देश के अलग-अलग हिस्सों में बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट जैसे अन्य सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। अयोध्या के विकास के हम सब साक्षी हैं। विश्वनाथ धाम, महालोक की चर्चा आज विश्व में है। प्रयागराज का विकास इसी का प्रतीक है। हमारा यह प्रयागराज निषादराज की भी भूमि है। भगवान राम के मर्यादा पुरुषोत्तम बनने में एक महत्वपूर्ण पड़ाव श्रृंगवेरपुर भी है। केवट ने अपने प्रभु को सामने पाकर उनके पैर धोए थे। इसमें भगवान और भक्त की मित्रता का संदेश है। श्रृंगवेरपुर धाम का विकास किया जा रहा है। भगवान राम और निषादराज की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को संदेश देती रहेगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने कुभ की तैयारी में जुटे कर्मचारियों खासकर सफाई कर्मियों के प्रति अग्रिम आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के पुण्य में आप भी भागीदार बनेंगे। जैसे भगवान कृष्ण ने जूठे पत्तल उठाकर यह संदेश दिया था। आप ही हैं जो सुबह सबसे पहले उठते हैं और देर रात तक कार्य करते रहते हैं। वर्ष 2019 में इसलिए मैने आपके (सफाई कर्मियों) पैर धोकर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की थी। मोदी ने कहा कि यहां से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आ जाती है। आमतौर पर इसकी चर्चा नहीं हो पाती। पूरे कुंभ के दौरान लोग आएंगे। नाविक साथियों, पूजा पाठ कराने वाले, व्यापारियों को आर्थिक रूप से समृद्धि मिलेगी। तमाम माध्यमों से अर्थव्यवस्था में गति आएगी। सामाजिक समरसता के साथ आर्थिक शक्ति भी मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां पर त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम ने त्रिवेणी के दर्शन किए थे, आज उसी त्रिवेणी स्थल पर दुनिया के लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी का आगमन हुआ है।

भारत ने हासिल की एयर-टु-एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का अंतिम परीक्षण किया, जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी। डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का अंतिम प्रायोगिक परीक्षण सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इस बार भाजपा जीतेगी दिल्ली विधानसभा चुनाव: स्मृति ईरानी

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने आज कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत संगठन है। कार्यकर्ताओं की मेहनत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा दिल्ली में होने वाले विधान सभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने वाली है। स्मृति ईरानी दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चलाए जा रहे अभियान के चौथे दिन "बूथ सशक्तिकरण विभाग" के अंतर्गत बूथ के कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर स्मृति ईरानी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर नाम पट्टिका के साथ- साथ पार्टी के झंडे लगाए । स्मृति ईरानी ने कहा कि जब हम बूथ को ताकत देते हैं, तब प्रदेश में ताकत बढ़ती है। भाजपा के कार्यकर्ताओं का नेतृत्व का यह सौभाग्य है कि कमल निशान हमारी राजनीति की पहचान है। आज सभी कार्यकर्ताओं के लिए उल्लास का विषय है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं का यह गौरव है कि आज सभी बूथ की समिति मंडल के कार्यकर्ता सहित हमारे प्रदेश के पहले अध्यक्ष विजय कुमार मल्होत्रा से आशीर्वाद ले रहें हैं, जिन्होंने दिल्ली में भाजपा को यहां तक पहुंचाने के सफर में पहले दिन से लगे हैं। उधर, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वानाथी श्रीनिवासन ने निगम पार्षद शिखा राय, जिला अध्यक्ष राजीव राणा एवं प्रदेश मीडिया रिलेशन विभाग प्रमुख विक्रम मित्तल के आवास पर नाम पट्टिका लगाकर पार्टी का झंडा फहराया।

सुखबीर बादल व अकाली नेताओं की धार्मिक सजा पूरी

एजेंसी, चंडीगढ़ । अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह द्वारा अकाली नेता सुखबीर बादल व अन्य को सुनाई गई धार्मिक सजा शुक्रवार को पूरी हो गई। दस दिनों तक विभिन्न गुरुद्वारों में सजा भुगतने के बाद सुखबीर बादल आज अन्य अकाली नेताओं के साथ दरबार साहिब पहुंचे। यहां अकाल तख्त सचिवालय में सुखबीर बादल व अन्य नेताओं की धार्मिक सजा का ब्यौरा दर्ज किया गया। सुखबीर बादल ने अकाल तख्त साहिब के समक्ष अपनी गलतियों के लिए क्षमा याचना अरदास करवाई। अरदास के पश्चात सुखबीर बादल अब सामान्य जीवन में लौट आए हैं। अकाली दल प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि हमें श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा जो आदेश दिए गए, हमने उसे माना और अपनी सेवा पूरी की।

प्रयागराज पहुंचे पीएम, संगम में की पूजा

एजेंसी, महाकुम्भ नगर (प्रयागराज)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज की पावन धरा पर त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहे महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना की। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी की आरती कर वैश्विक कल्याण का भी संकल्प लिया। तीर्थ पुरोहितों ने वैदिक मंत्रों के बीच पूरा कार्यक्रम संपन्न कराया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने त्रिवेणी में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र भी अर्पित किए। इससे पूर्व मोदी ने प्रमुख साधु संतों का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री निषादराज क्रूज पर सवार होकर संगम नोज पर पहुंचे। किला घाट पर फ्लोटिंग जेटी से होते हुए वो क्रूज पर सवार हुए। व्हाइट कुर्ता-पजामा, ब्लू जैकेट, मैरून कलर की शॉल पहने प्रधानमंत्री ने क्रूज पर सवार होने के बाद डेक पर खड़े होकर यमुना की लहरों को निहारा। यहां से वह घूम-घूमकर पूरे क्षेत्र का अवलोकन भी करते नजर आए। इसके बाद रिवर क्रूज पर विहार का भी आनंद उठाया। संगम नोज पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने एक बार फिर उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने साधु-संतों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक संत ने उन्हें मोतियों की माला भी भेंट की। यहां से प्रधानमंत्री सीधे संगम नोज पर बने पंडाल में पहुंचे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना संग बासुकीनाथ में की पूजा-अर्चना

एजेंसी । दुमका

राज्य में एक बार फिर सत्ता की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को फौजदारी दरबार बासुकीनाथ पहुंचे। जहां उन्होंने पत्नी कल्पना सोरेन संग विधि विधान के साथ बाबा का पूजा अर्चना और श्रृंगार किया। इसके बाद माता पार्वती काली एवं शत्रु संहारिणी बंगलामुखी की पूजा की गई। पूजा के समापन पर मंदिर परिसर में एक भव्य आरती के कार्यक्रम में बाबा बासुकीनाथ सहित मंदिर में मौजूद समस्त देवी-देवताओं की आरती उतारी गई। इस दौरान जरमुंडी के पूर्व विधायक बादल हेमंत के साथ पूजा अर्चना करते नजर आए। वहीं झामुमो नेता सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने फौजदारी नाथ से प्रदेशवासियों के लिए खुशहाली का कामना किया। उधर जिला प्रशासन की ओर से डीसी अंजनेयुलु दोड्डे सहित अन्य अधिकारियों ने सीएम को फूलों का गुलदस्ता एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। मालूम हो कि मुख्यमंत्री के बासुकीनाथ आगमन को लेकर जिला प्रशासन के तमाम अधिकारी मुस्तैद नजर आए। मुख्यमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बासुकीनाथ धाम को अभेद किला में तब्दील कर दिया गया था। इतना ही नहीं तीर्थ नगरी की साफ-सफाई की व्यवस्था अन्य दिनों की तुलना में कुछ खास नजर आई।

कांग्रेस ऐसी पार्टी है, जिसके साथ चिपकती है उसको भी सूखा देती है : जेपी नड्डा

एजेंसी, रायपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर अब नंबर तीन की तैयारी में है। कांग्रेस पार्टी नरेन्द्र मोदी का विरोध करते-करते देश का विरोध करने लगी है। कांग्रेस ऐसी पार्टी है जो परजीवी की तरह जिसके साथ चिपकती है, उसको भी सूखा कर देती है, उसकी भी छुट्टी कर देती है। उन्होंने कहा कि आज मूल्यांकन करने का भी दिन है। मैं हमेशा कहता हूं कि उजाले का मजा तभी आता है, जब अंधकार की त्रासदी पहचानते हो। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा शुक्रवार को रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड पर प्रदेश में भाजपा सरकार के एक साल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनादेश परब में शामिल हुए। इस दौरान एक सभा को सम्बोधित करते हुए नड्डा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर जमकर हमला किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव सहित साय सरकार के मंत्रिमंडल के सहयोगी, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस मौके पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रदेश में विष्णु देव साय सरकार के एक साल का कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल की तुलना में भाजपा सरकार के एक साल के कामकाज का जिक्र करते हुए कहा कि जनता को आगाह किया कि अगर उजाले को संभाल कर नहीं रखोगे, तो अंधेरा आने में देर नहीं लगती है। जेपी नड्डा ने कहा कि आज मूल्यांकन करने का भी दिन है कि आपने किस पार्टी को किन नेताओं को सेवा का मौका दिया। प्रकाश का मजा तभी आता है, जब तुम अन्धकार की त्रासदी तुम पहचानते हो। जब तक अंधकार नहीं जानोगे तब तक उजाले का मजा नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि जार्ज सोरोस नामक व्यक्ति इस देश में संसद के सत्र से पहले देश को अस्थिर करने के लिए झूठी रिपोर्ट लेकर आता है। सोनिया गांधी व राहुल गांधी का उससे की रिश्ता है। पेगासस रिपोर्ट लेकर आए कांग्रेस ने सदन की कार्रवाई नहीं चलने दी। जब-जब पार्लियामेंट लगेगा तब-तब देश में अस्थिरता लाने के लिए गलत खबर आती है। यहां उसके भोंपू के रूप में उसके बोलने का काम लीडर आफ अपोजिशन राहुल गांधी करते हैं, यह देश को अस्थिरता को लाने का काम होता है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी सत्ता की गद्दी पर बैठने की साजिशें रच रही है।

खास खबरे

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी पूरी, भेजे गये हजारों नोटिस

दैनिक बिहार पत्रिका/ खगड़िया

इस साल के अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। शनिवार को आयोजित होने वाले लोक अदालत को लेकर दस हजार से ज्यादा नोटिस दोनों पक्षों को भेजे गए हैं। सुलह योग्य वादों का निष्पादन करने को लेकर जागरूकता रैली भी निकाली गई थी। खगड़िया और गोगरी कोर्ट परिसर में भी इसका आयोजन होगा जिसके लिए पर्याप्त संख्या में बेंच बनाए गए हैं। अभियोजन कोषांग के द्वारा सभी थाना क्षेत्र में नोटिस का तामिला कराया गया है।

वैशाली के नए डीसीसी ने पदभार संभाला

दैनिक बिहार पत्रिका/ वैशाली

वैशाली के नए डीसीसी कुंदन कुमार ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने निवर्तमान डीडीसी शम्स जावेद अंसारी से प्रभार ग्रहण किया ।प्रभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने डीआरडीए के कर्मियों के साथ बैठक की तथा कई निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को पूरी पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतरना और कार्यों को गति प्रदान करना उनकी प्राथमिकता में होगी ।उन्होंने कहा कि वैशाली जिला का परफॉमेंस कई क्षेत्रों काफी अच्छा है। वे इसे मेंटेन रखते हुए टीमवर्क से इसे और आगे ले जायेंगें।

70वीं संयुक्त(प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को सुचारू एवं कदाचार मुक्त संचालन को सुनिश्चित करने हेतु पुलिस अधीक्षक स्वयं रहे भ्रमणशील

दैनिक बिहार पत्रिका/ वैशाली

शुक्रवार को बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त(प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा को सुचारू एवं कदाचार मुक्त संचालन को सुनिश्चित करने के लिए ह्यह्यपुलिस अधीक्षक वैशालीह्लह्ल के द्वारा स्वयं भ्रमणशील रहकर जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस पदाधिकारी, पुलिसकर्मी एवं दंडाधिकारियों का निरीक्षण किया गया ।साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा बिहार लोक सेवा परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने हेतु, सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

संस्था को बदनाम करने वालों पर अकस करेगी कार्रवाई

दैनिक बिहार पत्रिका/डेहरी

रोहतास। देश की चर्चित नाट्य संस्था अभिनव कला संगम से निष्कासित इक्के - दुक्के सदस्यों द्वारा संस्था के नाम पर बैठक व अन्य गतिविधि करने पर संस्था के संस्थापक सदस्यों ने कड़ा एतराज जताते हुए चेतावनी दी है। संस्थापक सह पूर्व अध्यक्ष रमेश चंद्र गुप्ता, प्रधान सलाहकार जीवन प्रकाश, सुमंत मिश्रा आदि ने कहा कि संस्था के निबंधन के बाद से वह निरंतर संस्था के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए कार्य करते रहे किंतु संस्थापकों को डीआईजी भ्रमित कर बीच के कुछ वर्षों में कुछ कथित लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए संस्था से जुड़ गए किंतु प्रतिवर्ष नाटक समारोह के बाद समीक्षा में यह पाया गया कि वैसे सदस्यों द्वारा संस्था को लगातार बदनाम करने निहित स्वार्थ के लिए संस्था का दुरुपयोग करने संस्था के नाम पर अपना उल्लू सीधा काम करने का काम करते थे यही कारण था कि सभी संस्थापकों वह अन्य सदस्यों के सामूहिक निर्णय के बाद कुछ लोगों को नियमित संस्था से बाहर किया गया तो एक के दुख के सदस्य संस्था से स्वयं त्यागपत्र दे दिए उनके द्वारा व्हाट्सएप पर दिया गया इस्तीफा भी संस्था के पास सुरक्षित है। करीब 15 वर्षों से संस्था का रेनुअल और ऑडिट प्रतिवर्ष नहीं होने से सरकार के निबंध सूची में संस्था अमृत प्राय हो रही थी तब सभी संस्थापक सदस्यों व वर्तमान अध्यक्ष सचिव के प्रयास से संस्था का पूनम बंधन राज्य स्तर से बढ़ाकर संपूर्ण भारतवर्ष में किया गया निबंधन विभाग के सहायक निबंध महान निरीक्षक डॉ संजय कुमार ने अपने पत्रांक 618 13 अगस्त 2024 को संस्था अध्यक्ष कमलेश कुमार को पत्र जारी कर संस्था के निबंध नियमावली व सभी दस्तावेजों को दिया।

चौथी क्लास की छात्रा के साथ शिक्षक ने की छेड़खानी, प्राथमिकी दर्ज करने के लिए थाने में दिया आवेदन

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

जिले के मोरवा प्रखंड स्थित एक मध्य विद्यालय में पढ़ने वाली चौथी कक्षा की छात्रा ने अपने शिक्षक पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। इसको लेकर पीड़ित छात्रा के परिजनों ने हलई थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। वहीं प्रखंड शिक्षक नागेंद्र प्रसाद के खिलाफ स्कूल के एचएम ने भी जिला शिक्षा पदाधिकारी को लिखित रूप से शिकायत करते हुए आरोपी शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की है। एचएम ने बताया की शिक्षा समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों व अन्य शिक्षकों के सामनें आरोपी शिक्षक ने अपनी गलती स्वीकार की है। वहीं मोरवा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि हेडमास्टर के रिपोर्ट के आधार पर इस मामले को लेकर नियोजन इकाई को लिखा गया है।

ट्रक की ठोकर से बाइक सवार शिक्षक की मौत, BPSC TRE-1 में ही हुई थी बहाली

दैनिक बिहार पत्रिका/ समस्तीपुर

जिला के पूसा-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग में महमदा बलुआ सीमा के निकट ट्रक की ठोकर से बाइक सवार एक शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक शिक्षक वैशाली जिले के बिसनपुर वसंत सुभई गांव के निवासी थे। उनकी पहचान संजय कुमार के पुत्र सुवेंदु कुमार (25 वर्ष) के रूप में पहचान की गयी। वे चकमेहसी थाना क्षेत्र के हजपुरवा पंचायत स्थित स्कूल में शिक्षक थे। बीपीएससी टीआरई-1 में उनकी बहाली हुई थी ।वहीं दूसरी ओर घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक तेज रफ्तार में ढोली की ओर जा रहा था। वहीं विपरीत दिशा से बाइक से शिक्षक आ रहे थे। दोनों में आमने सामने की टक्कर हो गयी। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। लोगों ने बताया कि ट्रक का एक लाइट बंद था। संभवत उसी कारण शिक्षक की बाइक ट्रक की चपेट में आयी। हादसे की की खबर मिलते ही पूसा थाने की पुलिस ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बांका डीएम से मिले इकबाल दुरानीं भेंट की सामवेद की प्रति

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बलुआतरी बौंसी के रहने वाले फिल्म जगत के मशहूर राइटर डायरेक्टर और संवाद लेखन इकबाल दुरानीं ने सामवेद का हिंदी रूपांतरण किया था। जिसका विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रमों द्वारा दिल्ली में एक समारोह के दौरान किया गया था। हिंदी में रूपांतरित इस शामवेद के पुस्तक के प्रति अमेजॉन के ऑनलाइन मार्केट पर भी अब उपलब्ध है जिस तेजी से लोगों द्वारा खरीदा जा रहा है। इकबाल दुरानीं ने इस पुस्तक के महत्व को देखते हुए जिलाधिकारी बांका अंशुल कुमार से मुलाकात कर सामवेद की एक प्रति उन्हें भेंट की और इस पर हर्ष जताया।

ताजपुर स्थित सीमेंट फैक्ट्री में ट्रक से दबकर मजदूर की मौत के बाद जमकर बवाल व तोड़फोड़

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

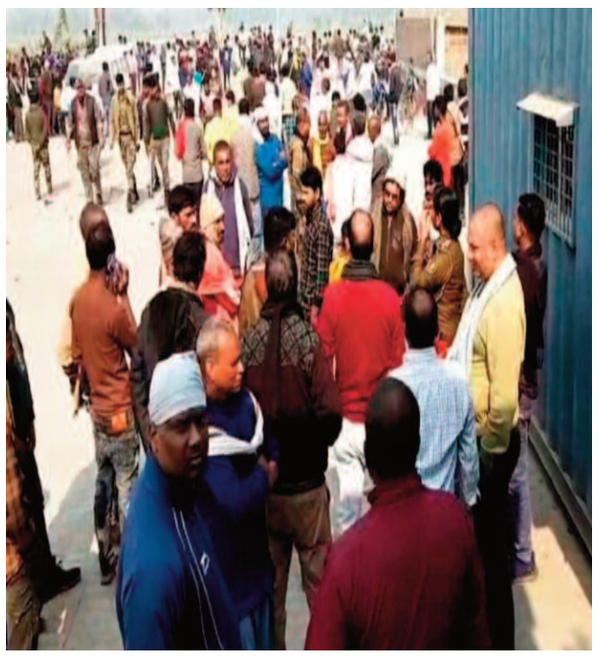

जिले के बंगरा थाना अंतर्गत सरसौना गांव स्थित सीमेंट फैक्ट्री में काम जर रहे एक मजदूर की ट्रक से दब कर मौत हो गयी। यह हादसा गुरुवार देर रात हुआ। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार सुबह हंगामा करने के साथ फैक्ट्री में तोड़फोड़ की। बाद में बंगरा के अलावा ताजपुर थाने की पुलिस फैक्ट्री पहुंची और लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया। हादसे में मरने वाले मजदूर की झारखंड के पलामू जिला के चचेरिया गांव निवासी सूर्यकांत कुमार (22 वर्ष) के रूप में पहचान की गयी.जानकारी के अनुसार, सूर्यकांत 15 दिन पहले ही सीमेंट फैक्ट्री में काम करने आया था। बताया गया है कि वह बीती रात करीब डेढ़ बजे फैक्ट्री में सीमेंट बनाने वाले मशीन में मैटेरियल डाल रहा था। उसी दौरान मैटेरियल लेकर आये एक ट्रक ने उसे कुचल दिया। इसके बाद फैक्ट्री का मैनेजर जख्मी सूर्यकांत को इलाज कराने के लिए सदर अस्पताल ले गया। जहां देखने के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया ।इसके बाद मजदूर के शव का पोस्टमार्टम कराने के बजाय मैनेजर एम्बुलेंस पर शव लेकर फैक्ट्री के लिए चला। एम्बुलेंस में सीमेंट फैक्ट्री में काम करने वाला मृतक चचेरा भाई भी था। मैनेजर शव फैक्ट्री लाने के बजाय सड़क पर ही इधर उधर घुमाने लगा। जिस पर घटना को दूसरा रूप देने की आशंका को लेकर मृतक के चचेरे भाई ने विरोध किया तो मैनेजर ने उसे पीट दिया। जिसके बाद चचेरे भाई ने सरसौना गांव के लोगों को घटना की जानकारी देने के साथ अपनी आशंका और पिटाई से अवगत कराया ।जिस पर गांव के लोगों ने उससे मोबाइल पर लोकेशन लेकर एम्बुलेंस को घेरा। इसके बाद सुबह में फैक्ट्री में सुबह तोड़फोड़ की। जिससे फैक्ट्री में गार्ड को छोड़कर मैनेजर समेत सभी कर्मी फरार हो गए। आक्रोशित ग्रामीण मृतक के परिजन को दस लाख रुपये मुआवजा देने, फैक्ट्री के सेफ्टी मैनेजर व संचालक के अलावा ट्रक चालक पर कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। हंगामे की सूचना पर बंगरा और ताजपुर थाने की पुलिस पहुंची और सभी को शांत कराया। बाद में फैक्ट्री के मैनेजर को बुला सरसौना के मुखिया व मजदूरों के प्रतिनिधिमंडल की बात करायी। तब लोग शांत हुए।

प्रखंड स्तरीय क्रिकेट टूनार्मेंट 15 दिसंबर से होगा आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

बौंसी खेल संघ के द्वारा एक बैठक शुक्रवार को की गई। बौंसी चैंपियनशिप 2024 टेनिस बॉल क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन को लेकर, विचार विमर्श कर आयोजन की सहमति की गई। पिछले साल की भांति इस बार नए प्रकरण के रूप में आयोजन किया जाएगा। प्रखंड स्तरीय टूनार्मेंट होगा, प्रखंड के ही खिलाड़ी खेल सकते हैं। इस बार पुरस्कार राशि के रूप में विजेता टीम को 10000 व उपविजेता टीम 5000 और साथ ही बड़ी चमचमाती ट्रॉफी दी जाएगी। वही टूनार्मेंट के सभी मैच में मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बॉलर बेस्ट बैट्समैन को पुरस्कृत किया जाएगा। टूनार्मेंट का उद्घाटन 15 दिसंबर रविवार को होगा। प्रखंड क्षेत्र से लगभग 8-12 टीम हिस्सा लेंगे। 15-15 ओवर का मैच होगा। प्रत्येक दिन दो पाली में खेल होगा। पहला सुबह 10:00 बजे से आरंभ होगा, दूसरा, 1:00 दोपहर से खेला जाएगा। यह टूनार्मेंट लगभग एक सप्ताह तक चलेगा। सभी मैच सी.एन.डी. खेल मैदान पर खेला जाएगा। प्रखंड क्षेत्र के लगभग 100 से अधिक खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में शिरकत करेंगे। बैठक में खेल संघ सचिव अमित दुबे, कोषाध्यक्ष प्रमोद राय, कुंदन साह, राजा दुबे, मुकेश पासवान स्थानीय खिलाड़ी विक्की अग्रवाल, रंजन सिंघानिया, अमन सिन्हा, विकास व अन्य खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के समक्ष स्वास्थ्य विभाग और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के समक्ष आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में स्वास्थ्य विभाग और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। पटना में अतिविशिष्ट नेत्र अस्पताल के निर्माण एवं संचालन के संबंध में यह समझौता ज्ञापन हुआ है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री संजय कुमार सिंह और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के प्रबंध निदेशक पद्मश्री डॉ० आर०बी० रमणी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर एक दूसरे को प्रति सौंपी। ज्ञातव्य है कि शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के द्वारा पटना में अतिविष्टि नेत्र अस्पताल की स्थापना की जायेगी। राज्य सरकार ने शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर को अतिविशिष्ट नेत्र अस्पताल बनाने के लिये कंकड़बाग, पटना में 1.60 एकड़ जमीन 1 रुपए के टोकन राशि पर सशर्त लीज पर देने की स्वीकृति मंत्रिपरिषद् द्वारा 3 दिसम्बर 2024 को प्रदान की। शंकरा आई फाउण्डेशन इंडिया आंख के इलाज के लिये एक अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अस्पताल है जो अपने खर्च पर इस भूमि पर अस्पताल का निर्माण एवं संचालन करेगा। इसमें आंख के सामान्य इलाज के साथ-साथ कॉर्नियोप्लास्टी, रेटिना डिटैचमेंट एवं आंख के कैंसर जैसी जटिल बीमारियों का भी इलाज हो सकेगा। इस संबंध में 75 प्रतिशत मरीजों का इलाज मुफ्त तथा 25 प्रतिशत का सशुल्क होगा। ढाई लाख रुपए प्रति वर्ष से कम आयवाले परिवार निःशुल्क चिकित्सा पा सकेंगे ।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री को विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पांडे, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक श्री सुहर्ष भगत, शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, कोयम्बटूर के प्रबंध निदेशक पद्मश्री डॉ०आर०बी० रमणी एवं डॉ० भरत सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

एथलेटिक्स के गोल्ड मेडल विजेता का समस्तीपुर मे हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

19वें जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 ळ१३ँ’ड्ढल्ल अ प्रतिस्पर्धा मे समस्तीपुर के रोहित राज ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बिहार के साथ साथ समस्तीपुर का नाम देश दुनिया मे रौशन किया है, शुक्रवार को समस्तीपुर पहुँचने पर जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव मो रुस्तम अली, अध्यक्ष रजिउल इस्लाम शाहीन, कोच मो शहीद एवं संयोजक डॉ एन के आनंद के साथ सैकड़ो की संख्या मे गोल्ड मेडल विजेता का स्वागत किया गया, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव ने बताया की उड़ीसा के भुवनेश्वर मे आयोजित 19वें जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 मे भाग लेते हुए समस्तीपुर के रोहित राज ने हाई जम्प, लॉन्ग जम्प एवं दौड़ प्रतियोगीता मे सबसे अधिक 2437 पॉइंट अर्जित कर पिछला रिकॉर्ड को तोड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता है, वहीँ अध्यक्ष रजिउल इस्लाम रिज्जू ने बताया की जिला एथलेटिक्स संघ अपने खिलाड़ियों को अब नेशनल लेबल पर ले जाने का भरपूर प्रयास करेंगे और जो भी सहायता करना पड़े वो करेंगे, उन्होने बताया की रोहित राज ने गोल्ड मेडल जीतकर जिला एथलेटिक्स संघ को गौरवन्वित किया है.उन्होने बताया की 18 दिसंबर को पटेल मैदान मे रोहित राज को संघ की और से सम्मान समारोह मे सम्मानित किया जाएगा, मौके पर डॉ सफदर इमाम, सिराज अहमद खान, पप्पू मस्तान, एखलाकुर रहमान शादाब, समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे.

परीक्षाथीयों के लिए आवास व भोजन का हुआ नि:शुल्क ब्यवस्था

दैनिक बिहार पत्रिका/डेहरी

रोहतास। शहर के जीटी रोड स्थित कुश मंदिर सह कुशवाहा सभा भवन के प्रांगण मे बिहार प्रशासनिक सेवा अंतर्गत आयोजित परीक्षा देने आए छात्रो के ठहरने कि समुचित ब्यवस्था कुशवाहा सभा भवन के सदस्यों द्वारा निःशुल्क कि गई। जिसमें बिहार के कई जिले के एक साथ कई छात्र परीक्षा देने शहर में आए हुए थे। जिन्हें सुबह का नास्ता एव चाय देकर उनके मनोबल को बढाया गया और उनके उज्जवल भविष्य कि कामना करते हुए परीक्षा भवन कि ओर प्रस्थान किया गया। ब्यवस्था को देखकर छात्र अपने आप गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। कई छात्रो ने कहा कि बिहार के डेहरी शहर मे हमें जो प्यार और स्नेह मिला वह किसी राज्य मे नही मिला। हम यहां के लोग को भुला नही पाएंगे। अगर हमे सफलता हासिल हुई तो हम पूनः आप सबों से मिलने डेहरी जरुर आएगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्ष कौशलेंद्र कुशवाहा, अध्यक्ष लाल बिहारी सिह, सचिव बिन्देश्वरी सिह, ई लझमण सिह, उर्मिला देवी, उदय सिह,श्रीराम ,अशोक सिंह,मनिष कुमार,प्रमोद महतो,बिक्रमा सिह शामिल थे। कुशवाहा सभा भवन द्वारा आवास भोजन की निशुल्क व्यवस्था से उत्साहित परीक्षार्थियों ने बधाई दी। तथा समाज के अन्य लोगों को इससे सबक लेने को कहा।

एमडीएम का भोजन खाने से 18 बच्चे बीमार

एसडीएम बोलें लापरवाह लोगों पर दर्ज होगी प्राथमिकी

दैनिक बिहार पत्रिका/डेहरी

रोहतास।प्रखंड क्षेत्र के रामगढ़ प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को उस समय अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया, जब सरकारी स्कूल में मिड डे मील का भोजन खाने के बाद एक के बाद एक तकरीबन तीन दर्जन से ज्यादा बच्चों को पेट दर्द व उल्टी की शिकायत होने लगी व बच्चे दर्द के मारे छटपटाने लगे। बच्चों के अचानक तबियत बिगड़ने से विद्यालय में मौजूद शिक्षकों के भी होश उड़ गए। वही शिक्षकों के द्वारा बीमार बच्चों के देर से सूचना देने के बाद ग्रामीणों ने विद्यालय पहुंच जम कर हंगामा किया। तथा दोषियों पर सख्त कारवाई की मांग की। घटना के संबंध में बताया जाता है, कि डेहरी प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय रामगढ़ में शुक्रवार को स्कूली छात्र-छात्राओं ने मिड डे मील का भोजन खाना शुरू किया । छात्रों के मुताबिक उन्हें खाने में छोले चावल तथा अंडे परोसे गए थे। जैसे ही बच्चों ने खाना शुरू किया खाने के बाद उन्हें अचानक चक्कर,पेट दर्द तथा उल्टी की शिकायत होने लगी। इसके बाद ग्रामीणों को जैसे ही जानकारी लगी आनन फानन में ग्रामीणों ने किसी तरह अपने ही खुद के वाहन से बच्चों को डेहरी के अनुमंडल अस्पताल में लाकर भर्ती कराया। छात्र अभिषेक कुमार, रानी कुमारी ने बताया कि खाने के दौरान अंडे में से पानी जैसा कुछ निकल रहा था तथा पीले जर्दा के जगह काला सा दिख रहा था। जिसे खाने के बाद सभी बच्चे बीमार पड़ने लगे उल्टी करने लगे। जानकारी मिलते ही डेहरी प्रभारी एसडीम अभिषेक कुमार तथा अंचलाधिकारी शिबू व अवर निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह बच्चों का हाल-चाल जानने अनुमंडल अस्पताल पहुंचे तथा अस्पताल प्रबंधन को उचित निर्देश दिया। वही विद्यालय पहुंच कर भी पूरे मामले की जानकारी की तथा ग्रामीणों से भी बात की। प्रभारी एसडीम ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि कुल 28 बच्चे विद्यालय पहुंचे थे, जिनमें में से 17 बच्चे एमडीएम का भोजन खाने से बीमार हो गए। सभी का अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज कराया गया, जहां से उन्हें इलाज करा कर वापस घर रवाना कर दिया गया, सभी बच्चों की हालत बेहतर है। उन्होंने बताया मामले की जांच की जा रही है ।डीपीओ से भी बात की गई है, जांच जारी है कि आखिर बच्चे कैसे बीमार हुए। प्रभारी प्रधानाचार्य के लिखित आवेदन पर वेंडर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

चांदन में मिला जानवर मांस भरा झोला सहित पल्सर बाइक,कब्जे में लेकर कर दिया डिस्पेच,पुलिस कि खानापूर्ति से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

चांदन। चांदन मुख्यालय से महज चार किलोमीटर दूर सिलजोरी पंचायत के भनरा गांव के समीप संदिग्ध स्थिति में लगभग 30 किलो मांस भरा एक झोला और एक पल्सर बाइक मिलने कि खबर से एक बार फिर हिंदूत्व सनातन धर्म पर सवाल खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार पिछले ही दिनों मुहर्रम (बकरीद) के मौके पर चांदन बाजार में सप्लाई होने वाली पीएचडी विभाग पानी टेंक में आसामाजिक तत्व लोगों द्वारा बकरे का अवशेष डाल कर दुषीत कर दिया था। जानकारी तब सामने आया जब तीन बाद पानी से दुर्गंध आने लगी। पानी टेंक में बकरे का अवशेष मिलने के मामले जिला प्रशासन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों को कड़ी मस्कत करनी पड़ी थी, लेकिन आज तक आरोपी का पता नहीं चल पाया कि पानी टंकी बकरे का अवशेष कौन डाला है। और धीरे धीरे-धीरे मामला डंडे बस्ते में चला गया ।इस मामले पर चांदन पुलिस आज भी चुप्पी साधे हुए हैं। वहीं दूसरी मामला 13 दिसंबर शुक्रवार सुबह कि है। जहां भनरा गांव के बंसी यादव के धान खेत के बगल झाड़ी से चांदन थाना के पुअनि रविन्द्र कुमार आदि पुलिस ने एक झोला मांस का टुकड़ा सहित एक बाइक JH15R 6608 को जप्त किया। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार को अहले सुबह आबकारी विभाग टीम द्वारा चांदन दर्द मारा मुख्य मार्ग के मद्द निषेध चेक पोस्ट पर वाहन जांच किया जा रहा। तभी बाइक में सवार व्यक्ति पुलिस को देख भनरा गांव कि ओर भागने लगा, और अंधेरा का फायदा उठाकर बाइक सवार व्यक्ति बंसी यादव के खेत में बाइक और मांस से भरे झोला को छोड़कर फरार हो गया। सुबह खेत पर काम करने गए लोगों ने बाइक और मांस का झोला देख कर हल्ला मचाने लगा। शोरगुल सुनकर पंचायत के उपमुखिया शिबू प्रसाद यादव, ग्रामीण बंसी यादव सहित दर्जनों ग्रामीण मौके वरदात पर पहुंच कर चांदन पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही किसी तरह का अपवाद ना हो जिसे देखते ही चांदन पुलिस ने मांस भरा झोला को कब्जे में लेकर गड्ढे में दबा कर मामले को शांत करा दिया। लेकिन चांदन पुलिस कि इस तरह रवैया से लोगों में नाराजी है। वहीं इस संदर्भ में चांदन थाना प्रभारी विष्णु देव कुमार ने बताया कि संदिग्ध परिस्थिति में मांस का टुकड़ा सहित एक बाइक बरामद किया है। फिलहाल मांस क्या चीज का पता नहीं उसे गढ्ढे में डालकर कर डिस्पेच कर दिया। और जप्त बाइक पर अग्रिम कार्रवाई कि जा रही है। वहीं चांदन पुलिस कि इस रवैए से लोगों में चर्चा बना हुआ है।

बीपीएल परिवार को ही कबीर अंत्येष्टि योजना का मिलेगा लाभ: मुखिया तुलसी रजक

दैनिक बिहार पत्रिका/ बांका

चांदन/बांका ।कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत दक्षिणी बारने ग्राम पंचायत के मुखिया सह जिला परिषद सदस्या शारदा देवी प्रतिनिधि तुलसी रजक ने अमजोरा गांव गहन दास को अंत्येष्टि योजना के तहत सहायता राशि तीन हजार रुपए का चेक प्रदान किया। जानकारी के अनुसार गहन दास का 70 वर्षीय पिता झकसु दास पिता स्वर्गीय नीरो दास का मौत बीते दुर्गा पूजा में हो गया था। जो एक गरीब परिवार से थे। मृतक झकसु दास के दो पुत्र है। जो गरीबी के माहौल में जीवन यापन करते हैं। इस संदर्भ में मुखिया तुलसी रजक ने बताया कि सरकार द्वारा कबीर अंत्येष्टि (संस्कार) योजना के तहत बीपीएल सूची में नामित मृतक के आश्रित परिवार को तीन हजार रुपए नकद राशि देने का प्रवधान है। किसी कारण वश आवंटन के आभाव में सहायता राशि देने में देर हो रही थी। बरहाल अभी तक मैंने लगभग आधा दर्जन परिवार को कबीर अंत्येष्टि के तहत तीन तीन हजार रुपए का चेक वितरण कर चुका हूं। यह सहायता राशि बीपीएल परिवार को ही दिया जाता है। आगे उन्होंने बताया कि पहले के मुखिया लोग नगद राशि देते थे, लाभुक के साथ हेराफेरी कर देता था ।उसे मैं बदल कर चैक के माध्यम से तीन हजार रुपए देने का काम किया। ताकि सरकारी राशि का सही लाभ लोगों को मिले। कबीर अंत्येष्टि योजना कि राशि लेने के लिए कागजी प्रक्रिया होती है। जिससे बिलंब भी हो सकती है लेकिन लाभ जरूर दिया जाता है।

खास खबरे

महिला पुलिस बल के सहयोग से दो महिला वारंटी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

फुल्लीडुमर थाना की पुलिस महिला पुलिस वालों के सहयोग से अलग-अलग जगह से बुधवार को रात्रि गस्ती के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर दो महिला वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। थाना अध्यक्ष बबलू कुमार से मिली प्राप्त जानकारी के अनुसार कांड संख्या 1569/10 के लाल वारंटी लक्ष्मी देवी पति गणेश मुर्मू ग्राम दूधघटिया एवं एनबीडब्ल्यू वारंटी बिरमा देवी पति सुधीन यादव ग्राम गेड़िटिकर को उसके घर से महिला पुलिस वालों के सहयोग से गिरफ्तार किया गया। वहीं गिरफ्तार दोनों वारंटी की गुरुवार को फुल्लीडुमर अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराकर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अंतिम एवं चौथा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन आज

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा बिहार विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देश पर वर्ष 2024 का अंतिम एवं चौथा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बांका के अध्यक्ष -सह-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के अध्यक्षता में 14.12.2024 को व्यवहार न्यायालय, बांका के परिसर में आयोजन किया जा रहा है, लोक अदालत में आपराधिक मामले, पारिवारिक मामले, ट्रैफिक चालान, बीएसएनएल, विधुत, बैंकिंग, खनिज एवं अन्य सुलहनीय मामलों का समझौता के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। इस-के लिए कुल 11 बेंचों का गठन किया गया है। प्रत्येक बेंच में एक न्यायाधीश महाधिवक्ता तथा एक पैनल अधिवक्ता रहेंगे। लोक अदालत में जिला विधिक सेवा प्राधिकार बांका के निखिलेश कुमार त्रिपाठी , अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार -सह- जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बांका, अंशुल कुमार, उपाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार -सह- जिला पदाधिकारी , बांका, डॉक्टर सत्य प्र-काश, सदस्य जिला विधिक सेवा प्राधिकार -सह- पुलिस अधीक्षक, बांका, तथा राजेश कुमार सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार -सह-अवर न्यायाधीश, बांका, रहेंगे।

पुलिस ने विभिन्न जगहों से शराब की बरामद,रिपीट ऑफेन्डर गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

धोरैया थानान्तर्गत धोरैया चेक पोस्ट के पास से प्र०स०अ०नि०म०नि० संजीव कुमार पासवान के नेतृत्त्व में अभियुक्त मृत्युजंय कुमार, पे०-कालीचरण गोस्वामी, सा०-कचराती, थाना-धोरैया, जिला-बाँका, उम्र-करीब 26 वर्ष को दुबारा शराब के सेवन में रिपीट ऑफेन्डर मानते हुए गिरफ्तार किया गया। कटोरिया थानान्तर्गत डुमरिया गाँव के पास से प्र० स० अ० नि० म० नि० नेहा कुमारी के नेतृत्व में अभियुक्त मनमोहन यादव, पे०-स्व० बिरंची यादव, सा०-दुसाधी, थाना-बाँका, जिला-बाँका, उम्र करीब 41 वर्ष के द्वारा परिवहन में उपयोग कर रहे मोटरसा-ईकिल से कुल अवैध चुलाई शराब की मात्रा 01.500 लीटर बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए वाहन को जप्त किया। बेलहर थानान्तर्गत डुमरिया गाँव के पास से अ० नि० म० नि० मनोहर कुमार झा के नेतृत्व में अभियुक्त देवदत्त कुमार, पे०-उदय साह, सा०-ककवारा, थाना-बाँका, जिला-बाँका, उम्र करीब 15 वर्ष के द्वारा परिवहन में उपयोग कर रहे मोटरसाईकिल से कुल अवैध चुलाई शराब की मात्रा 02.000 लीटर बरामद कर अभियुक्त को गिरफ्तार करते हुए वाहन को जप्त किया। बाँका जिला में भिन्न-भिन्न स्थानों से शराब के सेवन में कुल 08 (आठ) व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय, बाँका के समक्ष पेश किया गया। जहाँ से वे जुमार्ना देकर मुक्त किए गए।

70 वी संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में 20 केंद्रों पर कदाचार मुक्त सम्पन्न

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

70 वी संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगिता परीक्षा शुक्रवार को शांतिपूर्ण माहौल में कदाचार मुक्त बांका जिला अंतर्गत 20 केंद्रों पर सम्पन्न हुआ। एकल पाली में सम्पन्न परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त संपन्न कराने के लिए जिला पदाधिकारी, बांका एवं पुलिस अधीक्षक, बांका स्वयं भ्रमणशील रहे। इस दौरान जिला पदाधिकारी ने चल रही परीक्षा का अवलोकन किया एवं केंद्र पर उपस्थित दंडाधिकारी को पूरी चौकसी रखने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी द्वारा आज एस०के०पी० स्कूल, कोर्ट कैम्पस, विजयभवन, बांका,आर०एम०के० इन्टर स्कूल, नयाटोला, बांका एवं +2 एस०एस० गर्ल्स हाई स्कूल, नयाटोला, बांका सहित कई अन्य विद्यालयों का निरीक्षण किया गया । जिला पदाधिकारी के साथ साथ सभी जिला स्तरीय लगातार भ्रमण रहे। सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टैटिक दंडाधिकारी-सह-प्रेक्षक, जोनल-सह-गस्ती दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिका-री/पुलिस बल अपने अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुंचकर परीक्षा समाप्ति के उपरांत तक बने रहे। किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ, वाई-फाई गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक पेन, पेजर Wrist Watch(सामान्य / Smart) इत्यादि जैसी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री तथा whitener, eraser एवं blade जैसी सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगा दी गई थी। परीक्षा में कुल छात्रों की संख्या 7968 में से उपस्थित छात्रों की संख्या 5151 और अनुपस्थित छात्रों की संख्या 2817 रही। वहीं कदाचार से निष्कासित पर-ीक्षार्थियों की संख्या शून्य।

विद्यापतिनगर पुलिस ने 438 कार्टून विदेशी शराब के साथ हाइवा को किया जप्त, चालक फरार

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

विद्यापतिनगर। थाना की पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार की देर रात हाइबा (ट्रक) से शराब ले जा रहे एक बड़े खेप को गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ने में कामयाबी हासिल की है। बताया गया है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र से शराब का एक बड़ा खेप गुजर रहा है, जिसके बाद थानाध्यक्ष फिरोज आलम के नेतृत्व में पुलिस ने थाना क्षेत्र के कल्याणगंज-बंगराहा मुख्य पथ पर कब्रगाह के समीप गहन वाहन चेकिंग के दौरान शराब से लदे एक ट्रक (हाइवा)) को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है, हालांकि ट्रक का चालक अंधेरे का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। इस दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब के साथ ट्रक को जप्त कर अग्रतर कार्रवाई में जुटी हुई है। इधर थाना लाए गए शराब से लदे ट्रक को खाली करने में कर्मियों के पसीने छूट गए। करीब तीन घंटे के बाद ट्रक से शराब उतारा गया। वहीं पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चोरी-छिपे शराब का कारोबार में शामिल लोगों में खलबली मची हुई है। थानाध्यक्ष फिरोज आलम ने बताया कि मद्यनिषेध विभाग की पटना शाखा से प्राप्त गुप सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 438 कार्टून अवैध विदेशी शराब के साथ ट्रक (हा-इवा) को जप्त किया है। जप्त किए गए शराब में ब्लू क्रेशर ब्रांड का 750 एमएल के 608 बोतल, 180 एमएल का 1345 बोतल, 375 एमएल का 23 बोतल, रॉयल स्टैग ब्रांड के 375 एमएल का 4769 बोतल, आईबी ब्रांड का 375 एमएल का 3862 बोतल में कुल 3 हजार 943.35 लीटर विदेशी शराब जप्त किया गया है। पुलिस ट्रक मालिक की पहचान करने के साथ शराब कारोबारियों का पता लगाने में जुट गई है। अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

स्कॉर्पियो वाहन ने साइकिल सवार को मारी जोरदार टक्कर,साइकिल सवार बुरी तरह जखमी,किया गया रेफर

दैनिक बिहार पत्रिका/बौंसी

भागलपुर हंसडीहा राजमार्ग पर सुखनीया पुल के समीप शुक्रवार को ह-ँसडीहा की ओर से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो वाहन ने सामने से आ रहे सा-इकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गए। घायल मदन झा पिता स्वर्गीय राजू झा जो की बौंसी प्रखंड अंतर्गत ब्रहमपुर गाँव निवासी हैं। बताया जाता है की, हर दिन की तरह साइकिल से कुडढो मोड़ स्थित नर्सिंग कॉलेज में गार्ड का काम करने के लिए जा रहे थे। वहीं आगरा जोड सुखनिया पुल के समीप हँसडीहा के तरफ से आ रहे स्कार्पियो ने जोरदार टक्कर मार दी। आसपास के लोगों के द्वारा एंबुलेंस को फोन किया गया और जख्मी आदमी को अस्पताल ले जाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉक्टर ऋषिकेश कुमार ने तत्कालीन इलाज कर भागलपुर रेफर कर दिया। वही डॉक्टर ने बताया कि उनके सर पर काफी चोट लगी थी। वही सडक दुर्घघटना के थोड़ा देर बाद 112 प्रश-ासन की गाड़ी सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची। जहां उक्त गाड़ी का नंबर प्लेट वहीं पर गिरा हुआ था। जो गाड़ी को भागने में टूट कर गिर गया था। जिसे कब्जे में लिया गया और उस-की जांच की जा रही है। मायागंज अस्पताल में इलाज के लिए साथ गए उनके परिजनों ने मोबाइल पर जानका-री देते हुए बताया कि से उनकी हालत काफी नाजुक है। तत्काल इलाज जारी है।

दो दिवसीय फुटबॉल टूनार्मेंट के फाइनल मुकाबले में जीयोन मार्शल की टीम हुई विजयी, उपविजेता बनी राहरडीह की टीम

दैनिक बिहार पत्रिका/ बांका

फुल्लीडुमर प्रखंड क्षेत्र के टेंगपाजा खेल मैदान के प्रांगण में रेसिंग स्पोर्टिंग क्लब टेंगपाजा कुमार्टाड़ के द्वारा आयोजित दो दिवसीय फुटबाल मैच के दूसरे दिन गुरुवार को फाइनल मुकाबला खेला गया। 16 टीमों के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में फाइनल मुकाबला जीयोन मार्शल एवं राहरडीह टीम के बीच खेला गया। जिसमें राहरडीह की टीम टॉस जीतकर फुटबॉल मैच की श-ुरूआत की। दोनों टीमों के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में प्लेंटी के द्वारा जीयोन मार्शल की टीम दो गोल से मैच जीत गई, एवं राहरडीह की टीम उपविजेता बनी। मैच समाप्ति के बाद देर शाम पंसस प्रतिनिधि नंदलाल यादव, मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर साह, वार्ड सदस्य प्र-काश राय, डॉक्टर प्रभाष चंद्र , पूर्व पंसस हृदय मुर्मू के द्वारा संयुक्त रूप से खिला-ड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीम के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया। जानकारी के अनुसार विजेता टीम के कप्तान सुनील किस्कु को प्रथम पुरस्कार 15 हजार रुपए, उपविजेता टीम के कप्तान को द्वितीय पुरस्कार 10 हजार रूपए, तृतीय पुरस्कार 6 हजार रूपए एवं चतुर्थ पु-रस्कार 5 हजार रूपए दिए गए। वहीं मैच में निर्णायक की भूमिका में मंटू मुर्मू एवं विनोद मुर्मू कमेंटेटर की भूमिका में सुनील,राहुल, सुदीन, अजीत आदि अन्य लोग थे। वहीं फुटबॉल मैच के सफल संचालन एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने को लेकर अनिल, सचिन, देवीलाल ,जीतन, राकेश, मुनेश, विजय टुडू, श्री प्रसाद मुर्मू, पंचलाल यादव, कामेश्वर यादव, कुंदन कुमार सहित दर्जनों युवाओं द्वारा सक्रिय सहयोग किया गया। वहीं आयोजित मैच को लेकर दिनभर फुटबॉल मैच का आनंद लेने को लेकर खेल मैदान के पास काफी संख्या में फुटबॉल खेल प्रेमी उपस्थित थे।

पोस्टमास्टर जनरल बिहार सर्किल के द्वारा पार्सल हब के नए भवन का उद्घाटन एवं प्रमंडलीय कार्यालय में नेशनल फ्लैग जोन का उद्घाटन

दैनिक बिहार पत्रिका/गया

चीफ पोस्टमास्टर जनरल के द्वारा गया डाक प्रमंडल में पार्सल हब के नए भवन का उद्घाटन तथा प्रमंडलीय कार्यालय में नेशनल फ्लैग जोन का भी उद्घाटन किया गया अनिल कुमार, चीफ पोस्टमास्टर जनरल बिहार सर्किल गया डाक प्रमंडल के वार्षिक निरिक्षण के दौरे पर गया में आये। इस दरम्यान उन्होंने महरूफगंज में पार्सल हब के नए भवन का शुभारम्भ किया गया है। उन्होंने बताया कि इस पार्सल हब से गया डाक प्रमंडल के लोगों को पार्सल पहुंचाने एवं बाहर से आये पार्सल ससमय प्राप्त करने में काफी सुविधा होगी। गया डाक प्रमंडल अंतर्गत गया जिला के स्वराजपुरी रोड स्थित डाक विभाग के सरकारी भवन में पार्सल को संबंधित सभी ग्राहकों को ससमय पहुंचाने हेतु पार्सल हब के नए भवन का उद्घाटन अनिल कुमार,, चीफ पोस्टमास्टर जनरल, बिहार सर्किल, पटना के द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि पार्सल हब बनाने से गया जिला के लोगों को ससमय पार्सल पहुंचाने एवं बाहर से आये पार्सल ससमय प्राप्त करने में काफी सुविधा होगी। इसके लिए अलग से डाकियों एवं मॉनिटरिंग हेतु अन्य कर्मचारियों व पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति किया गया है। पूर्व की अपेक्षा पार्सल भेजने की प्रक्रिया को आसान बनाया जायेगा। इस उदघाटन समारोह में रास बिहारी राम, प्रवर डाक अधीक्षक, गया प्रमंडल गया, सहायक डाक अधीक्षक नीरज कुमार चौधरी एवं संभु कुमार सिंह एवं गया डाक प्रमंडल डाक निरीक्षकों में रंजीत कुमार, गौरव रंजन, उमंग जैन एवं धनंजय कुमार की उपस्थिथि रही है ।

बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम,हुई प्राथमिकी दर्ज

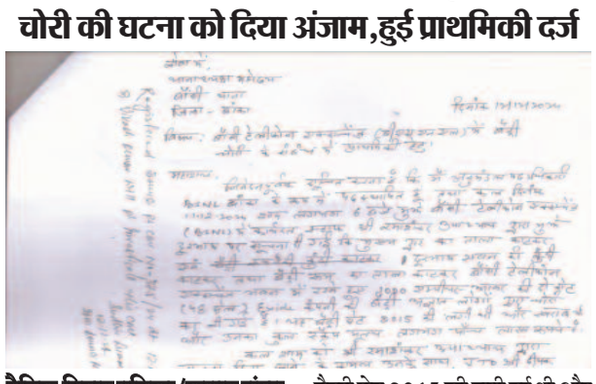

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बौंसी बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज में अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने का मामला सामने आया है। जिसको लेकर बीएसएनएल बांका के अनुमंडल पदाधिकारी दीप प्रकाश ने बौंसी थाने में लिखित आवेदन देकर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि दिनांक 11 12 2024 शाम लगभग 6:00 बजे बोसी बीएसएनएल टेलीफोन एक्सचेंज में कार्यरत स्टाफ रमाशंकर उपाध्याय के द्वारा उन्हें सूचित किया गया की, मुख्य द्वार का ताला काट कर एवं दूरभाष भवन की कुंडी काटकर, बैटरी रूम का ताला काट कर, बौंसी टेलीफोन एक्सचेंज भवन में रखे हुए 1000 एम्पियर की दो सेट 48 सेल एक्साइड कंपनी की बैटरी अज्ञात लोगों द्वारा चोरी कर ली गई है। बताया गया है कि यह बैटरी सेट 2015 की लगी हुई थी और खराब खराब थी। बताया जाता है कि उक्त बैटरी का स्क्रैप मूल्य लगभग 5 लख रुपए है। उक्त चोरी की घटना की सूचना दिए जाने के समय रमाशंकर उपाध्याय के साथ जे टी ओ दीपक कुमार भी घटनास्थल पर उपस्थित थे। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तो कुछ लोगों ने बताया कि ताला कुंडी काटने की आवाज आ रही थी तथा भवन में लगा बल्ब भी नोच कर हटाया हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि यह चोरी की घटना शनिवार रात्रि से लेकर सुबह तक की हो सकती है। जिसको लेकर बीएसएनएल बांका के अनुमंडल पदाधिकारी दीप प्रकाश ने बौंसी थाने में लिखित आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज करने के साथ घटना की छानबीन करने एवं उचित कार्रवाई करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

बौंसी मेला का डाक होते ही मेले की तैयारियों में आई तेजी, मेला प्रांगण से लेकर मंदार तक चल रही है तैयारी

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

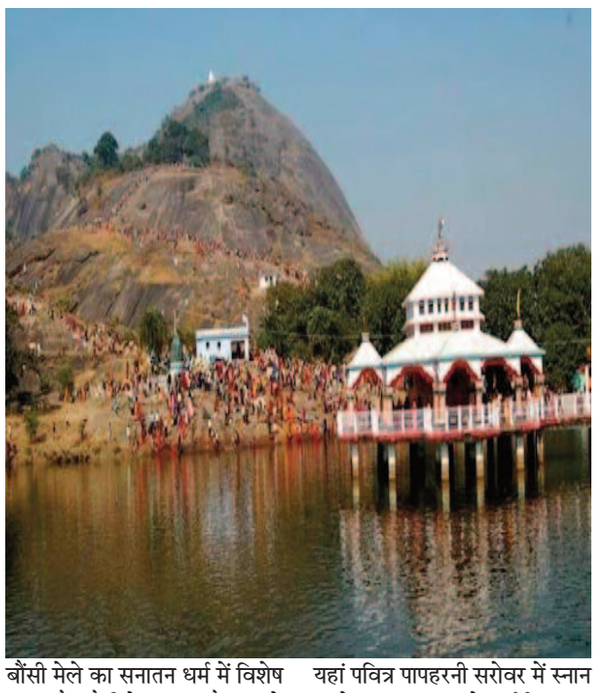

बौंसी/बांका। ऐतिहासिक मंदार में मकर संक्रांति के अवसर पर लगने वाले बौंसी मेला का डाक होने के साथ ही मेले की तैयारी विधिवत रूप से प्रारंभ हो गई है। मालूम हो कि गुरुवार को बौंसी मेले की डाक बौंसी के झपनियां ग्राम निवासी शंकर प्रसाद सिंह के नाम से 33 लाख में हुई। इसके साथ ही मेले में दुकानदा-रों का आना आरंभ हो जाएगा। इस संबंध में मेला संवेदक शंकर प्रसाद सिंह ने बताया कि इस बार भव्य तरीके से मेले को व्यवस्थित किया जाएगा। काफी संख्या में दुकानदारों ने मेले में आने की सहमति दी है और कुछ के प्रतिनिधि आकर मिलने भी लगे हैं। जानकारी हो कि राजस्व विभाग द्वारा बौंसी मेला का आयोजन होता है। इस-के लिए सैरात की तिथि 12 दिसंबर को तय की गई थी। चारों तरफ हो रहे कार्यों से मेला मैदान मंदार की छटा निखर रही है। स्व मुनीश्वर कृषि प्रदर्शनी को सजाने-संवारने का काम काफी तेजी से किया जा रहा है प्रदर्शनी के अंदर सुंदर काम हो रहे हैं। अगले दो-चार दिनों में बौसी मेला प्रांगण दुकानदारों से गुलजार होने लगेगा। बौंसी मेले की छटा दिखने लगेगी । ऐतिहासिक मंदार के प्राचीन बौंसी मेले का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। बौंसी मेला पांच सौ साल से लेकर वर्तमान काल तक चल रहा है। मकर मेला के सफरनामे में अंग का गौरवशाली अतीत परिलक्षित होता है। पुराने समय में भारतवर्ष के साधु-संतों के अलावा तंत्र साधकों क भी जत्था यहां पवित्र पापहरनी सरोवर में स्नान करने आता था। यहां के पर्वतीय गुफ-ाओं में साधना करते थे। लोक कला के अलावा कृषि सह उन्नत फसलों की उत्कृष्ट उपज की प्रर्दशनी, नौटंकी, खेल तमाशा आदि का समावेश होता गया और धीरे धीरे यह व्यापक बन गया। मालूम हो कि 1939 में विधिवत मकर सक्रांति मेला का उद्घाटन कर इसे पहली दफा सरकारी स्तर पर लाया था। इसका प्रमुख उद्देश्य था अंग क्षेत्र की पौराणिक परंपरा को कायम रखना था। इसके अलावा पारंपरिक दंगल, लोगों के मनोरंजन के लिए खेल तमाशे, सर्कस थिएटर, जादूगर, झूले, मीना बाजार, विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता, रंगोली-मेहंदी प्रतियोगिता, पतंग उड़ान प्रतियोगिता, कृषि व कृषि यांत्रिकी प्रर्दशनी, स्थानीय लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा रोजगार परक अवसर होते थे। अवाम में शैक्षणिक, कृषि पशुधन एवं सरकार द्वारा प्रायोजित जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सूचना देना था। वहीं इस क्रम में फसल प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता स्वास्थ्य एवं शिक्षा संबंधी चलचित्रों का आयोजन, पटना एवं भागलपुर के रे-डियो स्टेशन कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक महत्व संबंधित गीतों का प्रसारण आदि शामिल था। प्रदर्शनी एव सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हर वर्ग के लोगों की सहभागिता करना था। आकाशवाणी भागलपुर के संध्याकालीन कार्यक्रम का प्रसारण भी मेला के दौरान बौंसी मेला प्रांगण से ही होता था।

बौंसी मेले का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। बौंसी मेला पांच सौ साल से लेकर वर्तमान काल तक चल रहा है। मकर मेला के सफरनामे में अंग का गौरवशाली अतीत परिलक्षित होता है। पुराने समय में भारतवर्ष के साधु-संतों के अलावा तंत्र साधकों क भी जत्था यहां पवित्र पापहरनी सरोवर में स्नान करने आता था। यहां के पर्वतीय गुफ-ाओं में साधना करते थे। लोक कला के अलावा कृषि सह उन्नत फसलों की उत्कृष्ट उपज की प्रर्दशनी, नौटंकी, खेल तमाशा आदि का समावेश होता गया और धीरे धीरे यह व्यापक बन गया।

BPSC की PT परीक्षा को लेकर पटना में बवाल, उद्द ने एक छात्र को मारा थप्पड़

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 70वीं संयुक्त पीटी परीक्षा को लेकर पटना में बवाल हो गया।पटना के कुम्हारार स्थित बापू परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों ने क्वेश्चन पेपर वायरल होने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया है, वही हंगामा कर रहे एक अभ्यर्थी पर पटना के डीएम चंद्रशेखर सिंह ने थप्पड़ जड़ दिया जिसके बाद से अभ्यर्थी और ज्यादा आक्रोशित हैं। बढ़ते हंगामा को देखते हुए बिहार लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि हम लोग इस-का रिपोर्ट ले रहे हैं कि बच्चे किस बात को लेकर हंगामा किए हैं। जल्द ही इस-का जवाब आयोग के तरफ से दे दिया जाएगा। आपलोग थोड़ा इंतजार कीजिए अफसर लोग को आ जाने दीजिए एग्जाम खत्म हो गई है। उसके बाद वह लोग आयोग आ रहे हैं। इसके बाद हम रिपोर्ट आपलोग को दे देंगे। बताते चलें कि अभ्यर्थी ये आरोप लगा रहे थे कि बिहार लोक सेवा आयोग के तरफ से 70वीं एकीकृत पीटी परीक्षा का जो आयोजन करवाया गया था उसमें बड़े पैमाने पर खामी देखने को मिली है, कई छात्रों को समय पर सवाल नहीं दिया गया,जिससे उन्हें परेशानी हुई। वही हंगामा को देखते हुए स्थानीय जिलाधिकारी चंद्रशेखर कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और हंगामा के दौरान ही हुए अपना आपा खो दिया और एक छात्र पर थप्पड़ बरसा दिया, इसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस बल ने छात्र को अपने साथ वहां से ले गई। इसके बाद छात्रों और उग्र हो गए। पेपर लीक के आरोप और हंगामा की बात सामने आने के बाद आयोग के तरफ से आनन-फानन में अधिकारियों की बैठक बुलाई गई है। पूरी रिपोर्ट लेने के बाद आयोग की तरफ से अधिकृत बयान दिया जाएगा।

गुप्त सूचना के आधार पर 17 कार्टून विदेशी शराब बरामद

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

गोगरी। थाना क्षेत्र के फतेहपुर ढाला के पास से गुप्त सूचना के आधार पर एस आई सिंटू कुमार के द्वारा ने 17 कार्टून 3.75 एमएल का 423 पीस विदेशी शराब बरामद किया है. साथ ही इस विदेशी शराब को खपाने के उद्देश्य से ले जा रहे चार चक्का गाडी को भी बरामद किया गया है. जानकारी के अनुसार यह भी बताया जा रहा है पुलिस को देखकर शराब कारोबारी फायर हो गए हैं मुख्य रूप से छापेमारी मौजूद एसआई संटू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली की चार चक्का की गाडी मे विदेशी शराब ले जा रहा है। जब छापेमारी कि गयी तो सही पाया गया लेकिन अंधेरा का लाभ उठाकर तस्कर फरार हो गया हालांकि उस गाड़ी सहित 158 लीटर शराब को बरामद किया गया, सभी शराब को गोगरी थाना लाया गया है गाड़ी दिल्ली का नंबर का है. इन दिनों नया साल मानने को लेकर शराब माफियाओं के द्वारा शराब की जमा की जा रही है। जिस-ाको लेकर एसपी के निर्देश पर प्रत्येक थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया है कि आपने थाना क्षेत्र में शराब को पकड़े शराब माफिया का कमर तोड़ा जाए

खास खबरें

पुस्तकालय के निर्मित भवन का किया गया निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार बाँका द्वारा आरएमके उच्च विद्यालय के प्रांगण में पुस्तकालय के निर्मित भवन का निरीक्षण किया गया, उनके द्वारा भवन निर्माण की गति पर असंतोष प्रकट किया गया एवं उपस्थित आरएमके विद्यालय के प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया गया कि संबंधित निर्माण कर्ता से बात करते हुए भवन निर्माण का कार्य तेजी से करायेंगे, इस अवसर पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, समग्र शिक्षा दीपक कुमार भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत कार्य प्रगति पर

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बेलदौर प्रखंड के चोढली में सड़क निर्माण का कार्य जोरों पर बताया जा रहा है. कि कई वर्षों से सड़क जर्जर अवस्था में था. जिसको लेकर बेलदौर विधायक पन्ना लाल पटेल के द्वारा सड़क का निर्माण काफी अच्छे तरीके से चल रहा है. वहीं मुखिया प्रतिनिधि इसका निरीक्षण किया है. वार्ड वार्ड निरीक्षण कर रहे थे। सड़क के कामों को करवा रहे हैं। वहीं अब पानी जमा की नाले की निकासी की व्यवस्था भी पूरे ग्रामीण वासी को छुट-कारा मिल जाएगा जिसको लेकर ग्रामीणों में खुशी का माहौल है. और आसपास के दुकानों का भी उंचाई देखने में लगेगा सड़क निर्माण के कारण वाहन को आवाजाही में परेशानियों से दूर रहना पड़ेगा विशेष तौर पर गर्भवती महिलाओं को जो परेशानी होती थी उन सभी परेशानियों से मुक्ति मिल जाएगा लगभग कई लाखों योजना से यह सड़क बन रहा है।

नई न्याय संहिता

दैनिक बिहार पत्रिका

नई न्याय संहिता त्वरित न्याय वितरण के लिए, निम्नलिखित व्यवस्थाएं प्रदान करती है:. तेज और निष्पक्ष समाधानः नए कानून मामलों के तेज और निष्पक्ष समाधान का वादा करते हैं, जिससे कानूनी प्रणाली में विश्वास पैदा होता है। जांच और मुकदमे के महत्वपूर्ण चरणों को निर्धारित समय अवधि के अंदर पूरा किया जाना है - प्रारंभिक जांच (14 दिन में पूरी होनी है), आगे की जांच (90 दिन में पूरी होनी है), पीड़ित और आरोपी को दस्तावेज की आपूर्ति (14 दिन के अंदर), मुकदमे के लिए मामले की प्रतिबद्धता (90 दिन के अंदर), डिस्चार्ज के लिए आवेदन दाखिल करना (60 दिन के अंदर), आरोप तय करना (60 दिन के अंदर), निर्णय की घोषणा (45 दिन के अंदर) और दया याचिका दायर करना (राज्यपाल के समक्ष 30 दिन पहले और राष्ट्रपति के समक्ष 60 दिन पहले).. फास्ट-ट्रैक जांचः नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों के साथ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है, जिससे सूचना दर्ज होने के दो महीने के अंदर समय पर जांच पूरी होना सुनिश्चित किया जा सके।. सीमित स्थगनः समय पर न्याय वितरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, मामले की सुनवाई में अनावश्यक देरी से बचने के लिए अदालतें अधिकतम दो स्थगन दे सकती हैं यह जानकारी कानून एवं न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज लोकसभा में लिखित उत्तर में दी।

बांसुरी बनी कानपुर की बेटी देवांशी

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला पदाधिकारी बांका अंशुल कुमार के द्वारा विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान, बांका में पली बांसुरी को कानुपर के दम्पति को गोद दिये जाने का अंतिम आदेश दिया गया। पूर्व में दिनांक 26 अक्टूबर, 2024 को बच्ची को प्री एडॉप्शन फोस्टर केयर में दिया गया था। बच्ची की स्वास्थ्य प्रगति को देखते हुए दत्तकग्रहण विनियम, 2022 के आलोक में जिला पदाधिकारी द्वारा दत्तग्रहण का अंतिम आदेश पारित किया गया। जिला पदाधिकारी के आदेश के बाद दम्पति काफी खुश दिखे। बच्ची के दत्तक पिता संजय कुमार शुक्ला पेशे से भारतीय जीवन बीमा निगम में सुपरवाईजर हैं। सालाना आय लगभग 16 लाख रुपये है। दत्तक माता सारिणी शुक्ला गृहणी हैं। दम्पति के द्वारा बच्ची को नया नाम देवांशी दिया गया है। जिला पदाधिकारी के आदेशानुसार बांसुरी अब देवांशी के नाम जानी जायेगी। दत्तकग्रहण आदेश दिये जाने के समय अभय कुमार, सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, शंभु प्रसाद सिंह, बाल संरक्षण पदाधिकारी एवं विशिष्ट दत्तकग्रहण संस्थान के सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

305 बोतल विदेशी शराब के साथ दो व्यक्ति गिरफ्तार,एक हुंडई आई टेन चार पहिया वाहन जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

सुईया थाना क्षेत्र के तेलरिया मोड़ के पास वाहन जांच के क्रम में एक हुंडई आई टेन चार पहिया वाहन जिसके पीछे डाक्टर का लोगो चिपकाया हुआ से अलग-अलग कम्पनी के तीन ब्रांड का विदेशी शराब के साथ दो व्यक्ति को कुल 305 बोतल सभी 375 एम एल की मात्रा टोटल 114 .375 लीटर बरामद की गयी है। फिलहाल अग्रीम कारवाई कि जा रही हैं।

आग सेंकने के दौरान महिला झुलसी, रेफर

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

जिले के महेशखूंट थाना क्षेत्र के बन्नी गांव में शुक्रवार की सुबह आग सेकने के दौरान एक महिला बुरी तरह से झुलस गई। आनन फानन में परिजनों द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। घायल महिला की पहचान बन्नी गांव निवासी बीजो शर्मा की पत्नी क्राति देवी के रूप में हुई है। घायल महिला के परिजनों ने बताया कि आग सेंकने के दौरान वह झुलस गई। इधर सदर अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि महिला 90 प्रतिशत झुलस गई। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हाईयर सेंटर रेफर कर दिया।

प्रभारी प्रधानाध्यापक पर होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई, सचिव को दिया गया निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका/खगड़िया

जिले के चौथम प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय पूर्वी टोला, नवादा के प्रभारी हेडमास्टर क्रांति देवी पर कार्रवाई की गाज गिरी है। मामले में शिक्षा विभाग के स्थापना डीपीओ ने चौथम पंचायत के पंचायत सचिव को गुरुवार को पत्र भेजा है। जिसमें प्रभारी हेडमास्टर क्रांति देवी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। आरोप है कि प्रभारी हेडमास्टर शिक्षा विभाग के अधिकारियों के आदेश नहीं मानती है। बताया जा रहा है कि प्राथमिक विद्यालय पूर्वी टोला, नवादा में प्राथमिक विद्यालय अनुसूचित जाति टोला नवादा स्कूल को शिफ्ट किया गया, लेकिन प्रभारी हेडमास्टर ने शिफ्टेड स्कूल के शिक्षकों और छात्रों को स्कूल में प्रवेश करने नहीं दिया। मिली जानकारी के अनुसार शिफ्टेड स्कूल के शिक्षक और छात्र एवं छात्राएं स्कूल से तीन दिनों तक लौट गए। इस दौरान नौ, दस एवं ग्यारह दिसंबर को स्कूल गए, लेकिन प्रभारी हेडमास्टर क्रांति देवी ने स्कूल रूम में ताला मार दी। हेडमास्टर पर आरोप लगा कि वह सरकारी स्कूल को निजी परिसंपत्ति मानती है। अब इस मामले में बड़ी कार्रवाई की बात कही गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में नवादा पूर्वी टोला स्कूल में अनुसूचित जाती टोला स्कूल को शिफ्ट किया गया था। उस वक्त भी स्कूल में काफी विवाद हुआ था। इधर डीपीओ निषिथ प्रणित ने बताया कि प्रभारी हेडमास्टर के विरुद्ध निलंबन की अनुशंसा की गई है।

CHC प्रभारी की गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर,दो की मौके पर मौत

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

छपरा से सिवान जा रही चिकित्सा प्रभारी की गकार को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे कार में सवार दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चिकित्सा प्रभारी समय दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार दाउदपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक बड़ी सड़क दुर्घटना हो गई जिसमें अंदर थाना सिवान के सीएचसी प्रभारी डॉक्टर अमितेश समेत कई लोग बुरी तरह से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक कार में सवार होकर चार लोग छपरा से सीवान की तरफ जा रहे थे तभी दाउदपुर में विपरीत दिशा से आ रही ट्रक और इस गाड़ी में टक्कर हो गई जिससे कि दो व्यक्ति की घटना स्थल पर मौत हो गई जबकि दो व्यक्ति बुरी तरह से घायल हो गए। ड्रा-इवर और सुरक्षा कर्मी जो दोनों आगे थे उनकी मौत हो गई है। वहीं सिवान के अनदर के सीएचसी प्रभारी अमितेश और एक अन्य व्यक्ति बुरी तरह से घायल है जिन्हें छपरा सदर अस्पताल से इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है जिनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। दोनों मृतकों के शव को छपरा अस्पताल लाया गया है जहां पर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है। वही दोनों मृतकों के शव को छपरा सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए लाया गया है जहां उनके पोस्टमार्टम की प्रक्रिया चल रही है.वही दोनों घायल हो जिसमें डॉक्टर अमितेश भी शामिल है उनको आनन फानन में डॉक्टरों ने पटना रेफर किया है। इस संबंध में दाउदपुर के थाना प्रभारी नवलेश कुमार ने बताया है कि यह घटना दाउदपुर में हुई है जिसमें दो लोगों की मौत हुई है तथा दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं इस मामले में विस्तृत जांच की जा रही है।

8 सूत्री मांग को लेकर पीडीएस दुकानदार ने किया बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

चांदन/बांका। चांदन प्रखंड के पीड-ीएस दुकानदारों ने प्रखंड के धनुवसार पंचायत अंतर्गत टोना पाथर गांव में श-ुक्रवार 13 दिसंबर को जन वितरण प्रणाली के प्रखंड सचिव दिलीप राय की अध्यक्षता में विशेष बैठक आहूत की गई और अपनी आठ सूत्री मांगों को लेकर चर्चा किया. बैठक में मुख्य रूप से आगामी 17 दिसंबर को पटना गर्दनीबाग में धरना प्रदर्शन में शामिल होने का निर्णय लिया। बैठक में बताया कि अपनी मांग सरकार से 30000 प्रति माह वेतन 300 प्रति क्विंटल खाद्यान्न कमीशन, अनुकंपा के मानक तौर पर लाभ, साप्ताहिक छुट्टी, खाद्यान्न तोलने वाले मजदूर का मजदूरी मकान भाड़ा एवं बिजली बिल का मांग से संबंधित चर्चा किया। मौके पर चंदन के पीडीएस दुकानदार प्रिय चंद्र आजाद,सहित प्रखंड के दर्जनों पीडीएस दुकानदार शामिल थे।

"One Nation - One Election" पर प्रशांत किशोर का बड़ा बयान बोले, - यह देश हित में है लेकिन इसकी सफलता सरकार की मंशा पर भी निर्भर करती है

दैनिक बिहार पत्रिका/पटना

जन सुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने केंद्र सरकार द्वारा ३वन नेशन वन इलेक्शन३ को मंजूरी दिए जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ३एक देश एक चुनाव३ देश के लिए फायदेमंद है। उनका मानना है अगर इसे सही नीयत से लागू किया जाए तो देश के लिए काफी फायदेमंद होगा। उन्होंने अपने अनुभव के आधार पर कहा कि हर साल देश की करीब एक चौथाई जनता मतदान करती है। इस वजह से सरकार चलाने वाले लोग ज्यादातर समय चुनाव के चक्र में फंसे रहते हैं। इसलिए अगर इसे एक या दो बार किया जाए तो सरकार भी हमेशा चुनाव मोड में नहीं रहेगी। साथ ही स-रकार और जनता दोनों का समय और खर्च बचेगा ।इसके साथ ही उन्होंने स-रकार को सलाह दी कि देश में पिछले 50 सालों से चली आ रही चुनाव प्रक्रिया को 1 दिन में नहीं बदला जा सकता। सरकार को इस बदलाव को लागू करने के लिए 4-5 साल का समय देना चाहिए।इतने बड़े बदलाव 1 दिन में नहीं हो सकते। प्रशांत किशोर ने यह भी स्पष्ट किया कि ३वन नेशन, वन इलेक्शन३ की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार इसे किस उद्देश्य और नीयत से लागू करती है। उन्होंने कहा, ३यदि यह कानून सही नीयत से लाया जाता है तो यह स्वागत योग्य कदम है, लेकिन अगर इसका इस्तेमाल किसी विशेष वर्ग या समाज को हानि पहुंचाने के लिए किया जाता है, तो यह उचित नहीं होगा।

सरकार की ईमानदारी और मंशा इस प्रक्रिया की सफलता का निर्धारणे करेगी।

आंगनबाडी केंद्र में शत-प्रतिशत शौचालय एवं पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु की गई बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका/बांका

जिला पदाधिकारी,बाँकाअंशुल कुमार की अध्यक्षता में आंगनबाडी केंद्र में शत-प्रतिशत शौचालय एवं पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु विभागीय पदाधिकारी यथा आईसीड-ीएस, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायतीराज, पीएचईडी, इत्यादि विभाग के पदाधिकारी,अभियंता के साथ बैठक की गई। जिसमें उप विकास आयुक्त, जिला पंचायतीराज पदाधिकारी,जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस, कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी,सभी सीडीपीओ, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी,कार्यक्रम पादाधिकारी,माहिला पर्यवेक्षिका,पंचायत टेक्निकल एसिस्टेंट, टेक्निकल एसिस्टेंट, कनीय अभियंता ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिका-री,बांका ने निदेश दिया कि सभी महिला पर्यवेक्षिका के साथ अलग-अलग एक के साथ एक अभियंता को टैग कर कल सभी शौचालय विहीन एवं पेयजल विहीन आंगनबाडी केंद्र का स्थल निरीक्षण करना सुनिश्चित करें तथा कार्यपालक अभियंता पीएचईडी द्वारा उपलब्ध कराये जा रहे प्रक्कलन के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शौचालय निर्माण सुनिश्चित करेंगे। सोमवार से कार्य शुरू करने का निदेश सभी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। जिला पदाधिकारी ने सभी को यह भी निदेश दिया की तय समय सीमा में कार्य पूरा करना सुनिश्चित करें।

एनटीपीसी ने लगाया नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर

दैनिक बिहार पत्रिका/भागलपुर

एनटीपीसी कहलगांव ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पहल के तहत परियोजना प्रभावित व्यक्तियों के लिए निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन का आयोजन किया। यह सप्ताह भर का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पहल के अंतर्गत कुल 480 मोतियाबिंद ऑपरेशनों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया, जिसमें 187 पुरुष और 293 महिलाएं लाभान्वित हुईं। यह कार्यक्रम एनटीपीसी के जीवन ज्योति अस्पताल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सृष्टि समाज लेडीज क्लब ने अपनी कल्याणकारी गतिविधियों के तहत लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मों का वितरण किया। इसके अतिरिक्त परियोजना प्रमुख संदीप नायक ने लाभार्थियों के बीच जूट बैग और कंबल वितरित किए। इस अवसर पर संदीप नायक ने कहा कि एनटीपीसी परियोजना प्रभावित व्यक्तियों और आसपास के समुदायों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध है। इस तरह की पहल न केवल स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में मददगार है, बल्कि समुदायों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में भी सहायक है। हमारा लक्ष्य है कि हम अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक लाभ पहुंचाएं।

राजद प्रमुख लालू द्वारा ममता के पक्ष में गीत गुनगुनाना कहीं तेजस्वी के लिए बन ना जाय 'संकट'

राजेश सिन्हा/दैनिक बिहार पत्रिका

निषादों के आरक्षण को अपने लिए प्रमुख हथियार बनाकर कम से कम बिहार की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने की कोशिश करते आ रहे सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी कब तक अपने अरमानों को पूरा कर पाते हैं,यह तो देखने वाली बात होगी ।लेकिन वर्तमान समय की राजनीति को देखकर ऐसा लगता है कि वीआईपी सुप्रीमों के अरमानों को कुचलने के लिए बीजेपी तो क्या,कांग्रेस भी योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है ।वैसे भी बीजेपी तो पहले से ही उनसे खार खाए बैठी है ।हालांकि जिस तरह सीएम नीतीश कुमार अविश्वसनीय लीडर की श्रेणी में अपने आपको खड़ा कर चुके हैं,ठीक उसी तरह की स्थिति वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने भी बना रखी है ।वह कभी राजद के साथ मिलकर अपनी राजनीतिक नैया पार लगाने की कोशिश करते हैं तो कभी बीजेपी का फूल उन्हें आकर्षित करने लगता है ।बात अलग है कि,वह कभी भी ना ही विधानसभा का चुनाव जीत सके हैं और ना ही लोकसभा की दहलीज पर पांव रख सके ।बीजेपी के सहयोग से 2020के चुनाव में उनके चार विधायक जीते और वह बिहार सरकार में मंत्री तो बने ।लेकिन अति महात्वाकांक्षी कहलाने वाले सन ऑफ मल्लाह ने इस तरह का माहौल पैदा कर दिया कि,ना केवल उन्हें अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी,बल्कि उनके विधायक भी बीजेपी में शामिल हो गए ।इस बार के लोकसभा चुनाव के समय लगा था कि,बीजेपी से उनके रिश्ते बेहतर हो रहे हैं और जल्द ही वह एनडीए का हिस्सा बन सकते हैं ।लेकिन उनकी बात एनडीए में नहीं बन सकी तो वह अंतिम समय में महागठबंधन के सहयोग से चुनावी बैतरणी पार करने की कोशिश में लग गए ।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ मिलकर उन्होंने लोकसभा चुनाव के समय खूब पसीना भी बहाया ।बावजूद उनके एक भी कैंडिडेट जीत नहीं सके ।अब जबकि वह विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगे हैं तो ऐसा लग रहा है कि,कहीं उनका रिश्ता राजद से टूट ना जाय ।ऐसा इसीलिए,क्योंकि कांग्रेस ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री मानने के प्रति सहमति तो दी है,लेकिन उसे दो उपमुख्यमंत्री का पद चाहिए ।बिहार कांग्रेस के प्रभारी शाहनवाज आलम ने यह कहकर राजद सहित वीआईपी खेमे में भूचाल ला दिया है कि,बिहार में अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो कांग्रेस की ओर से दो डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे ।जिनमें एक मुसलमान होगा और दूसरा सवर्ण ।हालांकि इस तरह की स्थिति तब पैदा हुई है,जब राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडी गठबंधन की कमान सौंपने को लेकर वकालत कर दी है ।हो सकता है कि,लालू ने इस तरह की राजनीतिक चाल कांग्रेस पर दवाब बनाने के लिए चली हो ।लेकिन जा-हिर तौर पर कहा जा सकता है कि,कांग्रेस महागठबंधन में अपनी राजनीतिक स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रही है ।ऐसा इसलिए भी क्योंकि 2020के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी अगर सीएम की कुर्सी तक नहीं पहुंच सके तो इसके लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया जा रहा है ।कहा जाता रहा है कि,कांग्रेस अगर 70 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ती तो चुनावी नतीजा महागठबंधन के पक्ष में होता ।70सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस के महज 19प्रत्याशी ही विधानसभा पहुंच सके ।वैसे राजनीतिक पंडितों का मानना है कि,ममता का समर्थन कर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव अपने ही जाल में फंस गए हैं ।इसलिए,वो 2025 में हर हाल में स्थिति अपने हाथ में रखना चाहते हैं,लेकिन कांग्रेस इस पर सहमत नहीं दिखाई दे रही है ।ऐसी स्थिति में 2025 में महागठबंधन अगर सत्ता में आता है,तो उन्हें तीन डिप्टी सीएम बनाने का विचार करना पड़ सकता है और शायद ऐसा इसलिए नहीं हो सकता है,क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ-साथ उप मुख्यमंत्री के पद पर कोई लालू प्रसाद यादव के अनुसार ही विराजमान हों,यह कांग्रेस को कबूल नहीं हो सकता ।उसमें भी तब जब पूर्णियां के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव कांग्रेस के लिए लगातार बैटिंग कर रहे हों और यह कह रहे हों कि,कांग्रेस को बिहार में बड़े भाई की भूमिका निभानी चाहिए ।ऐसे हालात में तेजस्वी यादव को खुला हाथ नहीं मिलेगा,यह तो लगभग तय है ।राजनीतिक पंडितों के अनुसार लालू की यह राजनीतिक चाल है,जिसका उद्देश्य कांग्रेस पर राजनीतिक दबाव बनाना है ।लालू प्रसाद यादव और ममता बनर्जी के बीच बढ़ती नजदीकियां कई कारणों से महत्वपूर्ण हैं ।दोनों नेता विभिन्न राज्यों में अपने-अपने दलों का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके सहयोग से एक मजबूत विपक्षी मोर्चा बनाने की संभावना बढ़ सकती है ।यह गठबंधन विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है,जब देश में भाजपा के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चा बनाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ।लालू यादव का यह कदम कांग्रेस पार्टी पर राजनीतिक दबाव डालने का एक प्रयास भी हो सकता है ।कांग्रेस वर्तमान में विभिन्न राज्यों में कमजोर स्थिति का सामना कर रही है ।ऐसे समय में जब विपक्षी दलों को एकजुट होने की आवश्यकता है,लालू द्वारा ममता के साथ संबंध बढ़ाना कांग्रेस को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है ।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लालू यादव ने इस स्थिति को समझते हुए सियासी मोहरा फेंका है ।बहरहाल,2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में कौन किसके खिलाफ लड़ेगा और कौन जीतेगा,यह तो भविष्य बताएगा ।लेकिन,लालू यादव ने ममता बनर्जी का अचानक समर्थन कर कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल उठाने वालों को एक मौका तो दे ही दिया है,वह भी अपने ही जाल में फंसते नजर आ रहे हैं ।इस तरह की स्थिति के बीच अगर महागठबंधन का चेहरा बदल जाय तो शायद किसी को आश्चर्य में नहीं पड़ चाहिए ।ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि,आगे-आगे होता है क्या?

एथलेटिक्स के गोल्ड मेडल विजेता का समस्तीपुर मे हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बिहार पत्रिका/समस्तीपुर

19वें जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 ळ१ृ३ॅ्डल्ल अ प्रतिस्पर्धा मे समस्तीपुर के रोहित राज ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीतकर बिहार के साथ साथ समस्तीपुर का नाम देश दुनिया मे रौशन किया है, शुक्रवार को समस्तीपुर पहुँचने पर जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव मो रुस्तम अली, अध्यक्ष रजिउल इस्लाम शाहीन, कोच मो शहीद एवं संयोजक डॉ एन के आनंद के साथ सैकड़ो की संख्या मे गोल्ड मेडल विजेता का स्वागत किया गया, जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव ने बताया की उड़ीसा के भुवनेश्वर मे आयोजित 19वें जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 मे भाग लेते हुए समस्तीपुर के रोहित राज ने हाई जम्प, लॉन्ग जम्प एवं दौड़ प्रतियोगीता मे सबसे अधिक 2437 पॉइंट अर्जित कर पिछला रिकॉर्ड को तोड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता है, वहीं अध्यक्ष रजिउल इस्लाम रिज्जू ने बताया की जिला एथलेटिक्स संघ अपने खिलाड़ियों को अब नेशनल लेबल पर ले जाने का भरपूर प्रयास करेंगे और जो भी सहायता करना पड़े वो करेंगे, उन्होने बताया की रोहित राज ने गोल्ड मेडल जीतकर जिला एथलेटिक्स संघ को गौरवन्वित किया है, उन्होने बताया की 18 दिसंबर को पटेल मैदान मे रोहित राज को संघ की और से सम्मान समारोह मे सम्मानित किया जाएगा, मौके पर डॉ सफदर इमाम, सिराज अहमद खान, पप्पू मस्तान, एखलाकुर रहमान शादाब, समेत सैकड़ो लोग मौजूद थे!

मखाना की खेती से ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को मिल रहा है रोजगार

दैनिक बिहार पत्रिका /मो. साजिद

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड के पसराहा में सरकार उद्यम योजना के तहत 10 लाख से लेकर 2 लख लोन देकर रोजगार को बढ़ाने को लेकर युवा पीढ़ी को दे रहे हैं पढ़े लिखे हैं ताकि वह आत्मनिर्भर भारत पर अपना रोजगार करके मालिक बन सके कोई बताते चले कि मखाना का रोजगार से लाखों का कमाई है लोग एक बीघा में रोजगार शुरू करते हैं चंद सालों में दो बीघा की खेती करने लगते हैं मुनाफा ही मुनाफा है गरीब किसान खुद से खगड़िया जिला के कई जगहों पर साइकिल मोटरसाइकिल के माध्यम से इसकी बिक्री भी करते हैं और बड़े व्यापारी इसको बेचने को लेकर कंपनी से संपर्क करके कोलकाता एवं मध्य प्रदेश कई राज्यों में उनका भेजते हैं ताकि वह अपना माल भेज करके मुनाफा कमा सके इस मामले में जब किसान रमेश कुमार से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि हम भी एक कट्ठा से शुरू किए थे अभी 5 कट्ठा में शुरू है खेती एवं उनके कई बेटा रोजगार भी मिलता है और बताया जा रहा है कि स-रकार की तरफ से लोन भी दिया जा रहा है जिससे उन सभी का हिम्मत बढ़ रहा है वही बताते चले की लोन के माध्यम से घटा लगने पर लोन माफ भी किया जाता है बताया जा रहा है कि बाजार में मखाने की कीमत 800 से 1000 किलो बिकता है सबसे अधिक मखाने का डिमांड दूसरा दशहरा दुर्गा पूजा स-रस्वती पूजा में पूजा के समय होता है जिस समय मखाना का रेट 600 से 800 हो जाता है वही किसान इसमें काफी मुनाफा कमा रहे हैं।

मत्स्य विक्रेता के लिए आईस बॉक्स सहित अन्य सामान का किया गया वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका/कुमार चंदन

बांका। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत मत्स्य व्यवसाय से जुड़े एवं मछली का खुदरा एवं थोक खरीद बिक्री करने वाले मत्स्य विक्रेता के लिए सामान्य वर्ग में 07 साईकिल, 02 मोटर साईकिल एवं 01 तीन पहिया वाहन आईस बॉक्स सहित, अनुसुचित जाति के लिए 06 साईकिल एवं 01 मोटर साइकिल आईस बॉक्स सहित, अनुसुचित जनताति के 01 मोटसा-ईकिल एवं 05 साईकिल आईस बॉक्स सहित का वितरण अंशुल कुमार, जिला पदाधिकारी एवं डॉ० सत्यप्रकाश, आ-रक्षी अधिक्षक के द्वारा किया गया। योजना का मुख्य उदेश्य तालाब से शहर एवं गाँव में लोगो के घरो तक स्वच्छ एवं ताजी मछलियों उपलब्ध कराना एवं रोजगार सृजन करना है। यह कार्यक्रम मनोज कुमार जिला मत्स्य पदाधिकारी, बाँका द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर दीपक कुमार मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, रामबाबु कुमार, मत्स्य विकास पदाधिकारी में अन्य कर्मी मौजुद थे।

गाबा टेस्ट में खेलेंगे जोश हेजलवुड

एजेंसी, गाबा

जोश हेजलवुड को ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में खेलने के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। कप्तान पैट कमिंस ने पुष्टि की है कि वह स्कॉट बोलैंड की जगह लेंगे। आस्ट्रेलियाई एकादश में यह एकमात्र बदलाव होगा। हेजलवुड पर्थ में पहले टेस्ट में साइड स्ट्रेन के कारण एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया की जीत से चूक गए थे, जबकि दूसरे टेस्ट में बोलैंड ने दो पारियों में पांच महत्वपूर्ण विकेट लिए थे।

हेजलवुड ने सप्ताह के दौरान कुछ फिटनेस टेस्ट दिए। गाबा नेट्स में केवल छोटे रन-अप उपलब्ध होने और कोई अतिरिक्त सेंटर विकेट नहीं होने के कारण, हेजलवुड गुरुवार को एलन बॉर्डर फील्ड में गेंदबाजी कोच डेनियल विटोरी की निगरानी में मिशेल स्टार्क के साथ अपना पूरा रन बनाने के लिए उतरे। गुरुवार की सुबह एडिलेड में भी गेंदबाजी करने के बाद, हेजलवुड को वापसी के लिए फिट घोषित किया गया है। कमिंस ने शुक्रवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के हवाले से कहा, "जोश वापस आ गया है... उसे कोई परेशानी नहीं हुई। कल उसने बहुत अच्छी गेंदबाजी की, कुछ दिन पहले एडिलेड में भी उसने अच्छी गेंदबाजी की थी। वह और मेडिकल टीम बहुत आश्वस्त हैं।" श्रृंखला के अंतिम तीन टेस्ट 25 दिनों की अवधि में खेले जाने के साथ, कमिंस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस गर्मी में बोलैंड को फिर से इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह कठिन है, उसने एडिलेड में शानदार प्रदर्शन किया। दुर्भाग्य से उसने पिछले 18 महीनों में बेंच पर काफी समय बिताया है। और जब भी उसने खेला है, वह शानदार रहा है। स्कॉटी के लिए यह दुर्भाग्य की बात है, लेकिन फिर भी इस श्रृंखला में खेलने के लिए काफी कुछ है। मुझे आश्चर्य होगा अगर उसे किसी समय एक और मौका नहीं मिलता है।" हेजलवुड ने गुरुवार दोपहर एलन बॉर्डर फ़ील्ड में मुख्य समूह से दूर एक प्रशिक्षण सत्र में शीर्ष गति प्राप्त की। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने लंबे समय के साथी मिशेल स्टार्क के साथ क्वींसलैंड की चिलचिलाती धूप में 45 मिनट के गहन सत्र में पसीना बहाया, जिसमें दोनों ने टेस्ट टीम के सदस्य जोश इंगलिस और क्वींसलैंड के बल्लेबाज लैचलन हर्न को गेंदबाजी की। गेंदबाजी कोच डैन विटोरी भी दूसरे प्रशिक्षण सत्र के लिए मौजूद थे। कमिंस ने पुष्टि की कि एबी फील्ड में तेज गेंदबाजों को प्रशिक्षित करने का कदम "पूरी तरह से रन अप के बारे में" था। उन्होंने कहा, "हमने इसे अधिकांश वर्षों में किया है ... यह गाबा (नेट्स) के पीछे केवल 25 मीटर है, जबकि जाहिर है कि हम एबी फील्ड में पूर्ण रन अप प्राप्त कर सकते हैं।" तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवनः उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), पैट कमिंस, मिच स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से दिया इस्तीफा, आकिब जावेद ने संभाली कमान

एजेंसी, लाहौर

जेसन गिलेस्पी ने पाकिस्तान टेस्ट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को टीम के दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अपने फैसले की जानकारी दी। गिलेस्पी का इस्तीफा काफी हद तक अपेक्षित था, क्योंकि पीसीबी ने उनके सहायक कोच टिम नीलसन के अनुबंध को नवीनीकृत करने से इनकार कर दिया था। ऐसा कहा जाता है कि गिलेस्पी और नीलसन दोनों के बीच अच्छे कामकाजी संबंध थे। गुरुवार देर रात पीसीबी ने कहा कि आकिब जावेद अंतरिम आधार पर रेड बॉल कोच का पद संभालेंगे। आकिब को पहले भी गैरी कर्स्टन के इस्तीफे के बाद व्हाइट-बॉल टीम का अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और वह वर्तमान में तीन टी20 और तीन वनडे मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका में पाकिस्तान व्हाइट-बॉल टीम के साथ हैं। पीसीबी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, "रेड-बॉल हेड-कोच जेसन गिलेस्पी के इस्तीफे के बाद पीसीबी ने आकिब जावेद को अंतरिम रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया है।" रेड-बॉल हेड कोच के तौर पर आकिब का पहला काम पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। पहला टेस्ट 26 से 30 दिसंबर तक सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 3 से 7 जनवरी तक केपटाउन के न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी पीसीबी के कुछ हालिया फैसलों से नाराज हैं और नीलसन की स्थिति ने उनके लिए आखिरी संकट खड़ा कर दिया। गिलेस्पी को इस साल की शुरुआत में पीसीबी ने लाल गेंद वाली टीम के लिए दो साल के लिए अनुबंधित किया था। लेकिन वह पिछले कुछ समय से पीसीबी से नाखुश हैं, क्योंकि हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान कुछ अहम फैसलों में उन्हें शामिल नहीं किया गया था। गिलेस्पी का मामला कर्स्टन के व्हाइट बॉल कोच के पद से हटने के कुछ समय बाद ही सामने आया है। कर्स्टन को इस साल अप्रैल में गिलेस्पी के साथ नियुक्त किया गया था, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी ने अक्टूबर में पद छोड़ने का फैसला किया। दो विदेशी कोच छह महीने भी नहीं टिक पाए, यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छी बात नहीं है। कर्स्टन-गिलेस्पी प्रकरण को देखते हुए, पीसीबी को अपनी टीमों की कमान संभालने के लिए किसी विदेशी कोच को मनाने में संघर्ष करना पड़ सकता है।

उत्तराखंड को मिला देश का 8वां साइकिलिंग वेलोड्रोम, रुद्रपुर में खेल मंत्री ने किया लोकार्पण

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर में एक नई कड़ी जुड़ गई है। राज्य की खेल मंत्री रेखा आर्या ने शुक्रवार को रुद्रपुर में स्थित मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में साइकिलिंग वेलोड्रोम का लोकार्पण किया। यह वेलोड्रोम बनना राज्य के लिए गर्व की बात है, क्योंकि अब उत्तराखंड साइकिलिंग वेलोड्रोम वाला देश का आठवां राज्य बन गया है। इस वेलोड्रोम के निर्माण में 2312.99 लाख रुपये खर्च हुए और इसे 18 महीने में पूरा किया गया।

इस मौके पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि अब हमारे खिलाड़ी देश-विदेश में मेडल जीतने के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करेंगे, क्योंकि प्रदेश में सभी खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि रुद्रपुर में राष्ट्रीय खेलों की तीन प्रमुख स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी, जो शहर के लिए ऐतिहासिक मौका होगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल अकादमियों को 50फीसदी तक सब्सिडी देने की योजना पर विचार किया जा रहा है, ताकि हमारे खिलाड़ी और कोच किसी भी कमी से जूझें नहीं।

सकैनिया में 60 बेड वाले खेल छात्रावास का भी लोकार्पण किया मंत्री आर्य ने गदरपुर स्थित सकैनिया में 60 बेड वाले एक खेल छात्रावास का भी लोकार्पण किया। यह छात्रावास ग्रामीण बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं और रहने की व्यवस्था मुहैया कराएगा। इससे पहले मंत्री रेखा आर्या के यहां पहुंचने पर स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने घोषित की अपनी प्लेइंग इलेवन, वोक्स की जगह मैथ्यू पॉट्स टीम में शामिल

एजेंसी, हैमिल्टन

इंग्लैंड ने शुक्रवार को सेडॉन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। टीम में क्रिस वोक्स की जगह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया है। कप्तान बेन स्टोक्स ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि इंग्लैंड हैमिल्टन में तीसरी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए अपने लाइन-अप में एक बदलाव किया गया है, जिसमें तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को साथी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह वापस बुलाया गया है। इसका मतलब है कि ओली पोप कीपर की भूमिका में बने रहेंगे। इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में शुरुआती दो मैच जीत लिया है और अब उनका प्रयास क्लीन स्वीप करने का है। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने शुक्रवार को अपनी एकादश का खुलासा नहीं किया है, कप्तान ने सुझाव दिया कि वह यह घोषणा करने से पहले शनिवार की सुबह तक इंतजार करेंगे, जिससे यह अभी अधर में है कि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। साउथी तीन तेज गेंदबाजी स्थानों के लिए अपने साथी तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी के साथ प्रतिस्पर्धा में हैं, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के पास श्रृंखला में अपनी पहली उपस्थिति के लिए लाइन-अप में लौटने का मौका है। इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवनः जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर। न्यूजीलैंड की संभावित एकादशः टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, केन विलियमसन, रचिन रवींद्र, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ'रूर्के।

नीरज चोपड़ा की प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया

एजेंसी, नई दिल्ली

पेरिस 2024 ओलंपिक रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा और विश्व एथलेटिक्स महिला फील्ड इवेंट एथलीट ऑफ द ईयर यूक्रेन की यारोस्लावा महुचिख उन 23 एथलीटों में शामिल हैं जिनकी प्रतियोगिता कलाकृतियों को विश्व एथलेटिक्स विरासत संग्रह में शामिल किया गया। विश्व एथलेटिक्स संग्रहालय (एमओडब्ल्यूए) एथलीटों की कलाकृतियों को ऑनलाइन 3डी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित करेगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "उन एथलीटों को धन्यवाद जिन्होंने 2024 में हमारे संग्रहालय के संग्रह के लिए अपने प्रतियोगिता के कपड़े, जूते और यहां तक कि पदक भी दान कर दिए हैं। इस साल हमें 1960 के दशक के दो आइकन, व्योमिया टायस और बिली मिल्स, और 1980 के ओलंपिक 100 मीटर चैंपियन एलन वेल्स, साथ ही 2000 और 2008 के ओलंपिक हेप्टाथलॉन स्वर्ण पदक विजेता क्रमशः डेनिस लुईस और नतालिया डोब्रिंस्का से ऐतिहासिक ओलंपिक जीतने वाली वस्तुएं मिली हैं।" उन्होंने कहा, "अपने ओलंपिक संग्रह को अद्यतन रखते हुए, हमें आज पेरिस 2024 पदक विजेताओं यारोस्लावा महुचिख, थिया लाफॉन्ड और नीरज चोपड़ा से दान की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।" महुचिख ने जुलाई में स्टेड चार्लेटी में पेरिस डायमंड लीग में 2.10 मीटर की छलांग के साथ लंबे समय से चले आ रहे विश्व हाई जंप रिकॉर्ड को तोड़ा और अगस्त में स्टेड डी फ्रांस में ओलंपिक खिताब जीता। उन्होंने अपना पेरिस ओलंपिक सिंगलेट, नाम बिब और शॉर्ट्स एमओडब्ल्यूए को दान कर दिया है। महुचिख ने मोनाको में विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में भाग लेने के दौरान कोए को ये आइटम भेंट किए।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित, शाई होप, शेरफेन रदरफोर्ड बाहर

एजेंसी, किंग्सटाउन

वेस्टइंडीज ने घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप और बाएं हाथ के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में खेलने के कारण इस जोड़ी को बाहर कर दिया गया, रोवमैन पॉवेल एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वेस्टइंडीज का नेतृत्व करेंगे।

फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज कीसी कार्टी ने सेंट किट्स में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में 95 रन बनाकर पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप हासिल किया, जबकि अनुभवी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स भी चोट के कारण हाल ही में सीरीज गंवाने के बाद वापस लौटे हैं। वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी ने कहा कि टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के 2026 संस्करण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा, "कार्टी ने हमें दिखाया है कि वह उस प्रारूप में एक बल्लेबाज हो सकता है, और बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए, एक ऐसी टीम जिसे हम हल्के में नहीं ले सकते, हमें डेक पर सभी की जरूरत है। हमारे पास उपलब्ध खिलाड़ियों के साथ टीम का सावधानीपूर्वक चयन किया गया था, और मुझे विश्वास है चैंपियनशिप जीतने के लिए आवश्यक अनुभव के साथ यह हमारी सबसे व्यवस्थित टीम है।'' वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच तीनों मैच सेंट विंसेंट में होंगे, पहला मुकाबला 15 दिसंबर से शुरू होगा। दूसरा मैच ,17 और तीसरा 19 दिसंबर को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार हैः रोवमैन पॉवेल (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उप-कप्तान), कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, टेरेंस हिंड्स, अकील होसेन (केवल पहले दो मैच), जेडन सील्स (केवल तीसरा मैच), अल्ज़ारी जोसेफ , एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

ब्रिस्बेन में परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण, लेकिन 35 ओवर के बाद बल्लेबाजी करना आसान : शुभमन गिल

एजेंसी, ब्रिसबेन

गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट से पहले, स्टार भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि ब्रिस्बेन में परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण हैं लेकिन 30 से 35 ओवर के बाद पहले बल्लेबाजी करना आसान होता है। सीरीज का तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिसबेन क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होने वाला है। दोनों टीमें 1-1 मैच जीतकर पांच मैचों की श्रृंखला में बराबरी पर हैं। अगला मुकाबला "द गाबा" में होगा, एक ऐसा मैदान जहाँ 2020-21 के दौरे के दौरान एक अनुभवहीन भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 32 वर्षों में अपनी पहली टेस्ट हार दी थी। गिल ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "जिस तीव्रता से यहाँ खेल खेले जाते हैं, खासकर टेस्ट मैच, वह कठिनाइयों में से एक है क्योंकि पाँच दिनों तक एक ही तीव्रता बनाए रखना ऑस्ट्रेलियाई दौरे को इतना कठिन बनाता है और सबसे बढ़कर यह मानसिक तीव्रता और मानसिक फिटनेस है जिसकी यहाँ ऑस्ट्रेलिया में आवश्यकता होती है।" दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि ब्रिस्बेन में परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण हैं लेकिन 30 से 35 ओवर के बाद नई गेंद आने से पहले बल्लेबाजी करना आसान होता है। उन्होंने कहा, "ब्रिसबेन की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन 30 से 35 ओवर तक का समय होता है जब तक कि दूसरी नई गेंद नहीं आ जाती, तब बल्लेबाजी करना आसान होता है। ऑस्ट्रेलिया की पिचें तेज़ हैं और ऑस्ट्रेलिया का इतिहास यह है कि उन्होंने अच्छे तेज़ गेंदबाज़ों के साथ खेला है क्योंकि विकेट ने उन्हें मदद की है क्योंकि यह कठोर और तेज़ है। आपको वहाँ रहना होगा और मैदान पर उसी मानसिक फिटनेस और तीव्रता के साथ खेलने के लिए तैयार रहना होगा।" गिल ने उस समय को याद किया जब उन्होंने आखिरी बार 2020-21 में यहां खेला था और इसे "पुरानी यादें" वाला पल बताया। गिल ने कहा, "निश्चित रूप से, जब मैं यहां आया तो बहुत पुरानी यादें ताजा हो गईं। पूरी टीम आई और स्टेडियम में घूमते हुए, बहुत पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे लगता है कि एक बार जब हम इस पर खेलेंगे तो हमें विकेट के बारे में पता चल जाएगा। मुझे लगता है कि यह खेलने के लिए एक अच्छी विकेट होगी।"

खो-खो के राष्ट्रव्यापी प्रोग्राम में भाग ले रहे हैं सात शहरों में 30 स्कूलों के 10,000 स्कूली बच्चे

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) ने स्पोर्ट्स फॉर ऑल (एसएफए) के साथ मिलकर स्कूली छात्रों के बीच खो-खो को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रव्यापी प्रोग्राम शुरू किया है, जो 13-19 जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले आगामी विश्व कप से पहले भारत में एक स्वदेशी खेल विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

पिछले एक महीने के दौरान इस पहल ने हैदराबाद, बैंगलोर, दिल्ली और जयपुर सहित सात शहरों में 7,000 से अधिक स्कूली छात्रों को सफलतापूर्वक इस प्रोग्राम में शामिल किया है। यह प्रयास आने वाले हफ्तों में लखनऊ, पुणे और मुंबई में भी जाएगा। अबतक यःबपहल भारत भर के 30 स्कूलों तक पहुँच चुका है और 11 जनवरी तक इसके तहत 200 स्कूलों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, "हमारा मिशन खो-खो को पारंपरिक खेल से बदलकर विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त खेल बनाना है। इस खूबसूरत खेल को युवा दिमागों में पेश करके, हम न केवल खिलाड़ियों को विकसित कर रहे हैं, बल्कि ऐसे एम्बेसडर तैयार कर रहे हैं जो भारत के इस स्वदेशी खेल की अविश्वसनीय विरासत को दुनिया के हर हिस्से में लेकर जाएं।"

ऑन-ग्राउंड एक्टिविटीज के लिए खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सोसाइटी ऑफ़ डिजिटल एंटरप्रेन्योर्स के सहयोग से एक डिजिटल पंजीकरण अभियान शुरू किया है।

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव एमएस त्यागी ने बताया, "डिजिटल पंजीकरण अभियान एक गेम-चेंजर रहा है। हम तेलंगाना से लेकर उत्तर प्रदेश तक पूरे भारत में 7,000 से अधिक शहरों और 1,200 से अधिक स्कूलों तक सफलतापूर्वक पहुँच चुके हैं।"

इस पंजीकरण अभियान में देश के हर हिस्से में कक्षा 6 से 11 तक के छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई है। और खो खो विश्व कप के आयोजन के साथ, यह जमीनी स्तर के विकास की पहल राष्ट्रीय हित के निर्माण और भारत के स्वदेशी खेल के लिए प्रतिभा पाइपलाइन बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

चिंतन मनन

दुखः भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं, पर उनके अनुरूप कार्यों से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं, वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना, मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा-मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ऍसा क्यों? उत्तर मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला, समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया, पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए। बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई? पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी। बादशाह- वह क्या है? पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया! बादशाह- (प्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए? टुकड़े-टुकड़े कर दो, ऐसी रामायण मुझे नहीं चाहिए। उसने नई रामायण बनवाने का विचार त्याग दिया। कहने का आशय यह है कि आज भी प्रायः व्यक्ति अपनी रामायण (प्रशस्ति) चाहते हैं, पर कष्ट देखना, सहना कोई नहीं चाहता। महात्मा गांधी बनने को सब तैयार हैं, लेकिन गोली खाने के लिए कौन तैयार है?

ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता जरूरी

ऊर्जा मंत्रालय के अधीनस्थ ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा ऊर्जा दक्षता तथा संरक्षण में भारत की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिवर्ष 14 दिसम्बर को “राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस” का आयोजन एक विशेष थीम के साथ किया जाता है। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस की इस वर्ष की थीम है “स्थायित्व को बढ़ावा देनाः हर वाट मायने रखता है”। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा वर्ष 2001 में देश में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम लागू किया गया था। दरअसल दुनियाभर में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और उसी के अनुरूप ऊर्जा की खपत भी निरन्तर बढ़ रही है लेकिन दूसरी ओर जिस तेजी से ऊर्जा की मांग बढ़ रही है, उससे भविष्य में परम्परागत ऊर्जा संसाधनों के नष्ट होने की आशंका बढ़ने लगी है। अगर ऐसा होता है तो मानव सभ्यता के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाएगा। यही कारण है कि भविष्य में उपयोग हेतु ऊर्जा के स्त्रोतों को बचाने के लिए विश्वभर में ऊर्जा संरक्षण की ओर विशेष ध्यान देते हुए इसके प्रतिस्थापन के लिए अन्य संसाधनों को विकसित करने की जिम्मेदारी बढ़ गई है। ऊर्जा के अपव्यय को कम करने, ऊर्जा बचाने और इसके संरक्षण के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए ही देश में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रतिवर्ष एक खास विषय के साथ कुछ लक्ष्यों तथा उद्देश्यों को मद्देनजर रखते हुए लोगों के बीच इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ऊर्जा के अनावश्यक उपयोग को न्यूनतम करते हुए लोगों को मानवता के सुखद भविष्य के लिए ऊर्जा की बचत के लिए प्रेरित करना ही है। विद्युत मंत्रालय द्वारा देश में ऊर्जा संरक्षण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए शुरू किया गया “राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान” एक राष्ट्रीय जागरूकता अभियान है। देश में ऊर्जा संरक्षण तथा कुशलता को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1977 में केन्द्र सरकार द्वारा पैट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन का गठन किया गया था। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में आम जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए वर्ष 2001 में एक अन्य संगठन “ऊर्जा दक्षता ब्यूरो” स्थापित किया गया। ब्यूरो का कहना है कि प्रत्येक व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर अपने घर अथवा कार्यालय में लाईट, पंखे, हीटर, कूलर, एसी तथा बिजली के अन्य किसी भी उपकरण के अनावश्यक उपयोग पर नियंत्रण करते हुए ऊर्जा की बचत कर सकता है। अपनी पुस्तक “प्रदूषण मुक्त सांसें” में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार छोटे-छोटे स्तर पर ऊर्जा संरक्षण के लिए कदम उठाकर भी प्रत्येक नागरिक देश के राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अभियान में बहुत बड़ी मदद दे सकता है और इस प्रकार बड़ी मात्रा में ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। अगर ऐसे ही कुछ छोटे उपायों का उल्लेख किया जाए तो पुराने बल्बों के स्थान पर सीएफएल या एलईडी बल्बों का इस्तेमाल किया जाए। आई.एस.आई. चिन्हित विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें। यथासंभव दिन के समय सूर्य की रोशनी का अधिकतम उपयोग किया जाए और जरूरत न होने पर लाइटें, पंखे, कूलर, ए.सी., हीटर, गीजर इत्यादि विद्युत उपकरण बंद रखें। खाना पकाने के लिए बिजली के उपकरणों के बजाय सोलर कुकर और पानी गर्म करने के लिए बिजली के गीजर के बजाय सोलर वाटर हीटर के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। भवन निर्माण के समय प्लाट के चारों ओर वृक्ष लगाए जाएं तो प्रचण्ड गर्मी में भी भवन गर्म होने से बचेंगे और कूलर, एसी इत्यादि की जरूरत कम होगी। मकानों या कार्यालयों में दीवारों पर हल्के रंगों के प्रयोग से कम रोशनी वाले बल्बों से भी कमरे में पर्याप्त रोशनी हो सकती है। इससे न केवल ऊर्जा संरक्षण अभियान में सहभागी बनकर हम भविष्य के लिए ऊर्जा बचाने में मददगार बनेंगे बल्कि अपना बिजली बिल भी सीमित रख सकेंगे। सार्वजनिक स्थानों पर सौर लाइटों की व्यवस्था होनी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार कार्यस्थल पर दिन के समय प्राकृतिक रोशनी में कार्य करने वाले लोगों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और ऊर्जा की खपत में अपेक्षित कमी आती है, वहीं तेज कृत्रिम रोशनी वाले स्थानों पर काम करने से कर्मियों में तनाव, सिरदर्द, रक्तचाप, थकान जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं देखी जाती हैं और उनकी कार्यकुशलता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए ऑफिस में यदि पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का व्यवस्था हो तो इससे ऊर्जा संरक्षण होने के साथ-साथ कर्मचारियों की कार्यक्षमता भी बढ़ती है। प्रतिवर्ष देश में हजारों गैलन पानी बर्बाद होता है, इसलिए ऊर्जा संरक्षण की बात करते समय जल की बबार्दी को रोकने पर पर्याप्त ध्यान दिया जाना भी बेहद जरूरी है। न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतें पूरी करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। ऐसी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगा लेकिन ऊर्जा के संसाधन गैर-अक्षय हों या अक्षय, हमें अपने जीवन में ऊर्जा के महत्व को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक होना ही होगा। देश के प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि ऊर्जा चाहे किसी भी रूप में हो, वह उसे व्यर्थ में नष्ट न करे। अपने और आने वाली पीढ़ियों के सुखद भविष्य के लिए हमें अपने व्यवहार में ऊर्जा संरक्षण की आदतों को शामिल करना ही होगा।

ऊर्जा संरक्षण से होगी बिजली की जरुरते पूरी

हमारे जीवन में प्रतिदिन के विभिन कार्यो के संचालन के लिए ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। दुनिया की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ-साथ प्रतिवर्ष ऊर्जा की मांग भी बढ़ती जा रही है। हम प्रतिदिन विभिन रूपों में ऊर्जा का उपयोग करते है। अतः भविष्य में ऊर्जा की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसका संरक्षण आवश्यक है। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य विभिन उपायों के माध्यम से ऊर्जा का संरक्षण करना है। ऊर्जा संरक्षण के अंतर्गत विभिन कार्यो के माध्यम से ऊर्जा का उपयोग इस प्रकार किया जाता है। जिससे वर्तमान की आवश्यता की पूर्ति के साथ भविष्य की जरूरतें भी पूरी हो सकें। ऊर्जा संरक्षण से तात्पर्य ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग है। इसका अर्थ है ऊर्जा का अनावश्यक उपयोग ना करना एवं कम से कम ऊर्जा का उपयोग करते हुए कार्य को करना। भारत एक ऐसा देश है जहां पूरे साल सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में साल भर में लगभग 310 दिनों तक तेज धूप खिली रहती है। भारत भाग्यशाली देश है जिसके पास सौर ऊर्जा के लिए खिली धूप की उपलब्धता, पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता, परमाणु ऊर्जा के लिए थोरियम का अथाह भंडार तथा पवन ऊर्जा के लिए लंबा समुद्री किनारा नैसर्गिक संसाधन के तौर पर उपलब्ध है। जरूरत है तो बस उचित प्रौद्योगिकी का विकास तथा संसाधनों का दोहन करने की।

देश की ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में बहुत बड़ा अन्तर है। देश में बिजली संकट लगातार गहराता जा रहा है। अगर इस समय बिजली संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह भारत के विकास के लिए बड़ा अभिशाप सिद्ध हो सकता है। क्योंकि किसी भी देश की तरक्की का रास्ता ऊर्जा से ही होकर जाता है। सरकार को अब वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों पर गंभीरता से विचार करते हुए ऊर्जा बचत के लिए जरूरी उपाय अपनाने पड़ेंगे। इस मायने में सूर्य से प्राप्त सौर ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण विकल्प है।

भारत में 31 मार्च 2023 तक स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 416,059 मेगावाट थी। जिसमें जीवाश्म ईंधन से 237,269 मेगावाट अथवा 57 प्रतिशत तथा गैर-जीवाश्म ईंधन से 178,790 मेगावाट अथवा 43 प्रतिशत शामिल। देश में कोयले से 205,235 मेगावाट अथवा 49.3 प्रतिशत, लिग्नाइट से 6620 मेगावाट, हाइड्रोपावर (पनबिजली) से 46,850 मेगावाट यानि कुल क्षमता का 11.3 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का योगदान 24,824 मेगावाट यानि क्षमता का महज 6 प्रतिशत और परमाणु ऊर्जा से 6780 मेगावाट, सौर उर्जा से 66,780 मेगावाट यानि 16.1 प्रतिशत, डीजल से 589 मेगावाट यानि 0.1 प्रतिशत, हवा से 42,633 मेगावाट यानि 10.2 प्रतिशत, बायो मास पावर/कोजेन से 10,248 मेगावाट, अपशिष्ट से 554 मेगावाट, लघु हाइड्रो से 4944 मेगावाट, नाभिकीय से 6780 मेगावाट बिजली उत्पन्न होती है। देश के सभी घरों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने के लिए मौजूदा क्षमता कम पड़ेगी। इसके लिए वर्तमान क्षमता से कम से कम 30 फीसदी अधिक बिजली की जरूरत होगी। इसके लिये देश में पावर प्लांटों में 100 फीसदी बिजली उत्पादन करना होगा। बिजली आज पूरी दुनिया की सबसे अहम जरूरत बन गयी है। बिजली के बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है। थोड़े से समय के लिये बिजली चली जाने पर हमारे अधिकतर काम रूक जाते हैं। बिजली हमारे जनजीवन का कब मुख्य हिस्सा बन गयी हमें पता ही नहीं चल पाया। आज हमारा पूरा जनजीवन बिजली से जुड़ा हुआ है। बिजली का उत्पादन मशीनो से किया जाता है। ऐसे में हमें हर हाल में बिजली का दुरूपयोग नहीं करना चाहिये। सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित, निर्बाध गति से मिलने वाला सबसे सुरक्षित ऊर्जा स्त्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा लगभग बारह महिने उपलब्ध है। सौर ऊर्जा को और अधिक उन्नत करने के लिए हमें अपने संसाधनों का उपयोग करना चाहिए। ऊर्जा के मामले में अधिक समय तक दूसरों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में हमें अपनी तकनीक और संसाधनों का उपयोग कर आत्मनिर्भरता हासिल करनी ही होगा। यह दुख का विषय है कि बहुत लम्बे समय तक हमने सौर ऊर्जा के उत्पादन व उपयोग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हमारे देश की परिस्थितियां विषम होने के कारण हमें सभी उपलब्ध ऊर्जा विकल्पों पर विचार करना होगा। इसके साथ ही ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक कदमों को अपनाना होगा ताकि बड़े पैमाने पर बिजली की बचत हो सके। हमारे देश में ऊर्जा की मांग तीव्रगति से बढ़ रही है। लेकिन उत्पादन में खपत की तुलना में बढ़ोत्तरी नहीं हो पा रही है। देश में चल रही पुरानी बिजली परियोजनाएं कभी पूरा उत्पादन नहीं कर पाईं है। नई स्थापित होने वाली परियोजनाओं के लिए स्थितियां अनुकूल नहीं होती हैं। देश में बिजली के इस संकट को अगर अभी समय रहते दूर नहीं किया गया तो आने वाले समय में गंभीर संकट का सामना करना होगा। दुर्भाग्यवश हमारे देश में खनिज, पेट्रोलियम, गैस, उत्तम गुणवत्ता के कोयला जैसे प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित मात्रा में ही उपलब्ध हैं। ऊर्जा की बचत किये बिना हम विकसित राष्ट्र का सपना नहीं देख सकते हैं। आज जिस तेजी के साथ हम प्राकृतिक और पराम्परिक ऊर्जा के स्त्रोतों का उपयोग कर रहे हैं। उस रफ्तार से 40 साल बाद हो सकता है हमारे पास तेल और पानी के बड़े भंडार खत्म हो जाए। उस स्थिति में हमें ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों यानि सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा जैसे साधनों पर निर्भर होना पड़ेगा। लेकिन ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्त्रोतों को इस्तेमाल करना थोड़ा मुश्किल है और इस क्षेत्र में कार्य अभी प्रगति पर है। इन स्त्रोतों को इस्तेमाल में लाने के लिए कई तरह के वैज्ञानिक शोध चल रहे हैं जिनके परिणाम आने और आम जीवन में इस्तेमाल लाने के लायक बनाने में अभी समय लगेगा। इसे देखते हुए अगर हमने अभी से ऊर्जा के स्त्रोतों का संरक्षण करना शुरू नहीं किया तो आगे चलकर हालात बहुत बदतर हो सकते हैं। केंद्र सरकार का कहना है कि देश के अब सभी 5 लाख 97 हजार 464 गांवों का विद्युतीकरण हो गया है। सरकार की परिभाषा के मुताबिक वे गांव इलेक्ट्रिफाइड माने जाते हैं। जहां बेसिक इलेक्ट्रिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हो और गांव के 10 फीसदी मकानों और सार्वजनिक जगहों पर बिजली हो। भारत में बीते एक दशक के दौरान बढ़ती आबादी, आधुनिक सेवाओं तक पहुंच, विद्युतीकरण की दर तेज होने और सकल घरेलू आय में वृद्धि की वजह से ऊर्जा की मांग काफी बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मांग को सौर ऊर्जा के जरिए आसानी से पूरा किया जा सकता है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए अब विदेशी कंपनियों की निगाहें भी भारत पर हैं। आज विश्व का हर देश कागजी स्तर पर तो ऊर्जा संरक्षण की बड़ी-बड़ी बातें करता है। लेकिन ऊर्जा की बबार्दी में सबसे आगे नजर आते हैं। अगर भारत की बात की जाए तो यहां विश्व में पाएं जाने वाली ऊर्जा का बहुत कम प्रतिशत हिस्सा पाया जाता है। लेकिन इसकी तुलना में हम इसको कहीं ज्यादा खर्चा करते हैं। हमारे देश में आज ऊर्जा बचत के उपायों को शीघ्रतापूर्वक और सख्ती से अमल में लाए जाने की जरूरत है। इसमें देश के हर नागरिक की भागीदारी होनी चाहिए। हर संभव ऊर्जा बचत करें तथा औरों को भी इसका महत्व बताएं।

भाजपा का टेसू और देश का भविष्य

`शीर्षक पढ़कर न हासिये और न भ्रमित होइए। बात भाजपा के टेसू की ही कर रहा हूँ। टेसू एक लोक नायक है, बाद में अपने कथित अड़ियलपन कोई वजह से कहावत बन गया। आजकल हर राजनीतिक दल में एक न एक टेसू है, लेकिन इनमें भाजपा के टेसू जैसा अड़ियल टेसू किसी और दल का नहीं है। भाजपा अपने पुरषार्थ, किस्मत या जुगाड़ से तीसरी बार सत्ता में है। भाजपा की सरकार लंगड़ी है लेकिन उसका अपना टेसू जैसा पहले अड़ता था, वैसे ही आज भी अड़ा है। भाजपा आजकल किसी की परवाह नहीं करती। न संसद की, न विपक्ष की, न अदालत की और न अपने सहयोगी दलों की। भाजपा को परवाह है तो अपने खुले-छिपे एजेंडे की। भाजपा देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना चाहती है इसलिए उसने पूजास्थलों की यथास्थिति को कायम रखने वाले कानून को बदलने का निश्चय कर लिया है, ताकि देश में स्थित मुस्लिम समाज की छह लाख मस्जिदों और दरगाहों को खोदकर उनके नीचे दबे कथित मंदिरों को बाहर निकाला जा सके। आपको बता दें कि प्लेसेज आफ वर्शिप एक्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अनेक जनहित याचिकाएं लंबित हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि जब तक इस मामले पर केंद्र सरकार का जवाब दाखिल नहीं हो जाता, तब तक इस पर सुनवाई नहीं होगी। मजे की बात ये है कि कोर्ट के नोटिस के बावजूद केंद्र सरकार ने अब तक जवाब दाखिल नहीं किया है, सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि जवाब जल्द दाखिल किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अगली सुनवाई तक नई याचिका दायर की जा सकती है, उन्हें रजिस्टर भी नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की उस मांग को ठुकरा दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश की अलग-अलग अदालतों में इससे जुड़े जो मामले चल रहे है उनकी सुनवाई पर रोक लगाई जाए। मामले की अगली सुनवाई 17 फरवरी 2025 को होगी। इस मामले की सुनवाई विभिन्न अदालतों में दायर कई मुकदमों की पृष्ठभूमि में होगी, जिनमें वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद और संभल में शाही जामा मस्जिद से जुड़े मुकदमे शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने केंद्र को जवाब दाखिल करने के लिए 4 हफ्ते का समय दिया और कहा कि केंद्र के जवाब दाखिल करने के बाद जिन्हें जवाब दाखिल करना हो वे 4 हफ्ते में जवाब दाखिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम केंद्र के जवाब के बिना फैसला नहीं कर पाएंगे, और हम केंद्र सरकार का इस मामले में पक्ष जानना चाहते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने ने यह भी कहा कि विभिन्न कोर्ट जो ऐसे मामलों में सुनवाई कर रही हैं वे सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई तक कोई भी अंतिम आदेश जारी नहीं करेंगी और न ही सर्वे पर कोई आदेश देंगी। भाजपा के मस्जिद खोदो के अघोषित अभियान में पूजास्थलों से जुड़ा मौजूदा काननों सबसे बड़ी बाधा है इसलिए भाजपा ने छद्म तरीकों से इस कानून के प्रावधानों के खिलाफ अदालत की शरण भी ली है। इस बारें में सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें से एक याचिका अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। उपाध्याय ने उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की धाराओं 2, 3 और 4 को रद्द किए जाने का अनुरोध किया है। याचिका में दिए गए तर्कों में से एक तर्क यह है कि ये प्रावधान किसी व्यक्ति या धार्मिक समूह के पूजा स्थल पर दोबारा दावा करने के न्यायिक समाधान के अधिकार को छीन लेते हैं। भाजपा इस कानून के मामले में मौजूदा सीजेआई को चंद्रचूड़ बनाना चाहती है। भाजपा जिस तरह से पूजा स्थलों के लिए बने कानून को बदलना चाहती है उसी तरह एक देश, एक चुनाव का नया कानून भी बनाना चाहती है, भले ही शेष देश इसके लिए तैयार हो या न हो। समूचे विपक्ष के विरोध के बावजूद केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक देश, एक चुनाव विधेयक को मंजूरी दे दी है। इससे पहले सितंबर में कोविंद समिति की रिपोर्ट को मंजूरी दी गई थी जिसमें कहा गया है कि एक साथ चुनाव की सिफारिशें को दो चरण में कार्यान्वित किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव और दूसरे चरण में स्थानीय निकाय चुनाव होंगे। आपको याद दिला दूँ कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने सबसे पहले 2019 में ७३ वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा था। हालाँकि ये विचार पूर्व में ही ये देश खारिज कर चुका है, लेकिन भाजपा का टेसू इस मुद्दे पर अड़ा है सो अड़ा है। एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा। अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग ने कहा था कि साल 1967 के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरूआती सालों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा 356 के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है। भाजपा क्षेत्रीय दलों के चक्रव्यूह को तोडना चाहती है। इस समय देश के भाजपा शासित राज्यों की संख्या लगभग 12 है शेष 17 राज्यों में या तो क्षेत्रीय दलों की सरकारें हैं या मिलीजुली सरकारें। भाजपा एक साथ चुनाव कराकर पूरे देश पर अपना एक क्षत्र राज करना चाहती है। संयोग से इस समय संसद में संख्या बल का गणित भाजपा के पक्ष में है। इसलिए भाजपा न विपक्ष की परवाह कर रही है, न संसद की और न सुप्रीम कोर्ट की। अब देखना है की भाजपा का टेसू कब तक अड़ा रहकर भाजपा और संघ के एजेंडे को पूरा कर पाता है।

भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं

कुदरत द्वारा रचित अनमोल खूबसूरत सृष्टि में भारत आदि अनादि काल से संस्कृति सभ्यता बड़े बुजुर्गों को मान सम्मान संयुक्त परिवार प्रथा सहित सभी गुणों में विशाल वटवृक्ष की भांति फलता फूलता रहा है हमारे बड़े बुजुर्गों ने स्वर्णलोक, स्वर्ग अनुभूति इस सृष्टि में धरती पर अपनों के बीच किया देखा और सुख भोगा है। उन अपार सुख के फूलों में से एक फूल है घर, परिवार, संयुक्त परिवार एक मजबूत सुख की छावं देने वाला, छत्रछाया देने वाला संयुक्त परिवार, घर परिवार जहां बड़े बुजुर्गों के छत्रछाया में जीवन जीने, उनके फैसलों पर अमल करनें, आगे बढ़ाने और समर्पित भाव से जीवन जीने का सुख, अनमोल क्षण के साए में जीवन जीने का आनंद ही कुछ और है। परंतु वर्तमान परिपेक्ष में धीरे-धीरे हमारे देश के अधिकांश युवा पाश्चात्य संस्कृति के साए में बड़े बुजुर्गों को नजरअंदाज कर, एकला चलो रे! वाली नीति पर चलने की राह पर हैं किसी का लिखा एक खूबसूरत वाक्यांश बता दें, घर तब तक नहीं टूटता तब तक फैसला बड़ों के हाथों में होता है, अगर घर का हर सदस्य बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देरी नहीं लगती इसलिए अब समय आ गया है कि हमें बड़े बुजुर्गों की आज्ञा, उनकी छत्रछाया में जीने का अंदाज सीखने की तात्कालिक आवश्यकता है, इसलिए हम इस आर्टकल के माध्यम से आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम महत्वपूर्ण फैसलों के बड़ों के हाथों से छुटने की करें तो, उम्र के फर्क. के साथ-साथ बड़े बुजुर्गों और बच्चों के मूल्यों में अंतर आ जाता है, मिसाल के लिए अगर बड़े बुजुर्ग बहुत धार्मिक हैं और उन्होंने बच्चों को भी वहीं संस्कार दिए तो भी जरूरी नहीं कि बच्चे उन्हीं संस्कारों को मानें, बस! यहीं से टकराव की शुरूआत होती है। अलगाव की स्थिति पैदा हो जाती है, ये भी देखा गया है कि आमतौर से अलग होने वाले माता- पिता और बच्चों के बीच अलग होने की वजह को लेकर कोई संवाद नहीं होता, इसलिए पता ही नहीं चलता कि आखिर वजह क्या है। इसके अलावा भाई-बहनों के अलग मिजाज और माता-पिता का किसी एक बच्चे के प्रति गहरा लगाव भी अलगाव की वजह बन जाते हैं, ऐसा नहीं है कि परिवार में अलगाव तेजी से और रातों रात हो रहा है, बल्कि ये बहुत धीरे-धीरे हो रहा है। कई बार छोटी सी घटना भी परिवार को तोड़ देती है। कहने को तो वो एक घटना होती है लेकिन उसके नतीजे दूरगामी होते हैं जिसको रेखांकित करना जरूरी है। साथियों बात अगर हम घर में हर कोई बड़ा बनने के दो मुख्य कारणों की करें तो, पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि भूमंडलीकरण की वजह से उन देशों में भी परिवार टूट रहे हैं, जहां अकेले रहने की रिवायत नहीं है, भारत की ही बात करें तो बड़ी संख्या में लोग रोजगार की तलाश में गांवों से शहरों में या विदेशों में पलायन कर रहे हैं। वहीं जिन देशों में सरकार की ओर से बेहतर सुविधाएं नहीं मिलतीं वहां बुजुर्ग, नौजवान और बच्चों के बीच मजबूत रिश्ता और एक दूसरे से लगाव देखने को मिलता है, इसकी मिसाल हमें यूरोप के कुछ देशों में देखने को मिलती है। बाहर बड़े शहरों या विदेश में रोजगार में जाने की वजह से माता-पिता से दूरी बन जाती है, साथ ही ऐसे परिवारों में आर्थिक रूप से लोग एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते, स्वाभाविक रूप से वे अपने फैसले खुद लेने लगते हैं, लिहाजा उन्हें अलग होने में कोई हिचक भी महसूस नहीं होती। ये भी देखा गया है कि जो किसी समुदाय के लोग एक दूसरे से ज्यादा करीब रहते हैं, उनके यहां बड़े परिवार भी एक छत के नीचे रहना पसंद करते हैं, ये भी हो सकता है कि असुरक्षा का भाव उन्हें ऐसा करने को कहता हो। शहरों में बड़े परिवार को साथ रखना आसान नहीं है, हर कोई बड़ा बनने एवं फैसला लेने की चाह रखता है इसलिए भी बुजुर्गों के साथ अलगाव की स्थिति पैदा हो रही है और गुजरते दौर के साथ ये स्थिति और मजबूत होगी। लेकिन किसी भी समाज में जो सांस्कृतिक मूल्य बहुत मजबूत होते हैं, वो आसानी से खत्म नहीं होते, लिहाजा जिन समाज में परिवार के साथ रहने का चलन है वो आगे भी रहेगा, परंतु मुमकिन है कि आने वाले 20 साल में स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी। साथियों बात अगर हम उस एक पुराने जमाने की करें जहां संयम, बड़ों की कद्र और संयुक्त परिवार से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और फैसला लेना बड़ों के हाथ में रहता था तो, उस दौर में संयम, बड़ों की कद्र, छोटे बड़े का कायदा, नियंत्रण इन सब बातों का प्रभाव था। ऐसे ही संयुक्त परिवारों से संयुक्त समाज का निर्माण हुआ था और पूरा मोहल्ला और गांव एक परिवार की ही तरह रहते थे। परिवार का नहीं, मोहल्ले का बुजुर्ग सबका बुजुर्ग माना जाता था और ऐसे बुजुर्गों के सामने जुबान चलानें या किसी अप्रिय कृत्य करने का साहस किसी का नहीं होता था। उस दौर में मोहल्लों में ऐसा माहौल और अपनापन होता था कि गांव का दामाद या मोहल्ले का दामाद कहकर लोग अपने क्षेत्र के दामाद को पुकारते थे और अगर कोई भानजा है तो किसी परिवार का नहीं, बल्कि पूरे मोहल्ले और गांव का भानजा माना जाता था और यही कारण था कि लोग गांव की बेटी या गांव की बहू कहकर ही किसी औरत को संबोधित करते थे जो रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम आओ घर को टूटने से बचाने के आसान उपायों की करें तो, एक संयुक्त परिवार और बड़े बुजुर्गों के निर्देशन में जीने का सही तरीका है? स्वार्थ भावना से दूर रहकर, खुद से पहले दूसरों की खुशी का ध्यान रखना होगा और हमारा परिवार हमारी खुशी का ध्यान रखेगा। अपने कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश हमेशा होनी चाहिए। बड़ो के प्रति आदर भाव और छोटों के प्रति प्रेम होना चाहिए। घर छोटा हो या बड़ा लेकिन दिल हमेशा बड़ा होना चाहिए। अपनी इच्छाओं से पहले परिवार की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। संयुक्त परिवार में मेरा कुछ नहीं होता जो भी होता है वो सबका होता है। कुछ बातों को नजरअंदाज करने की कला तो कुछ बातों पर ध्यान देने की कला आनी चाहिए। हर खुशी बड़ी हो जाती है और हर दुख छोटा सयुक्त परिवार में। साथ बैठने का और साथ खाने का महत्व समझना चाहिए। शेयर करना स्वभाव होना चाहिए क्योंकि, बस एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलना सीख लो। सहनशीलता अच्छी होनी चाहिए। सामंजस्य बैठाना भी आता हो। साथियों मेरा यह निजी अनुभव है कि, मेरा परिवार सयुंक्त परिवार और इसीलिए मैने इस प्रश्न का उत्तर देना चाहा। सभी का उचित सम्मान होना चाहिए, विशेष रूप से छोटे बड़ों का हमेशा सम्मान करें। कार्यों का उचित विभाजन हो, जिससे टकराव ना हो। पुरानी कहावत है कि- जहाँ चार बर्तन होते है, वहां टकराव होता है, ये खटपट भी मधुर होनी चाहिए। बाहर की चुगलखोरी एवं चापलूसी को बिल्कुल ध्यान न दे, क्योंकि यह हमारे भारतवासियों का जन्मसिद्ध अधिकार है वो तो करेंगे ही। अंत में सबसे जरूरी- परिवार में प्यार, नहीं तो। उपर लिखी सारी बातें बेकार।। करो दिल से सजदा तो इबादत बनेगी। बड़े बुजुर्गों की सेवा अमानत बनेगी।। खुलेगा जब तुम्हारे गुनाहों का खाता। तो बड़े बुजुर्गों की सेवा जमानत बनेगी।। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ बड़े बुजुर्गों की छत्रछाया में मिलजुल कर रहने की भारतीय संस्कृति को विलुप्त होने से बचाएं। घर तब तक नहीं टूटता जब फैसला बड़ों के हाथ में होता है, हर कोई बड़ा बनने लगे तो घर टूटने में देर नहीं लगती। आधुनिक युग कोई परिवार में बड़ों के लिए तरसे, कोई बड़ों पर गुस्से से बरसे की ओर चल पड़ा है।

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है।
सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। रोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।
इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं।
हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं।
प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।
शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।
स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है अजवाइन

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ

एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

ठंड में हार्ट के मरीज बरतें ये सावधानियां

ठंड के मौसम में हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के कारण जहां सर्दी और खांसी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं इस मौसम में दिल की बीमारी को खतरा भी काफी बढ़ जाता है। दरअसल सर्द हवाओं के चलते रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है जिसके कारण ब्लड का फ्लो सही से नहीं हो पता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। वहीं इस मौसम में हमारी लाइफस्टाइल भी काफी ज्यादा बदल जाती है। इसके कारण भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। अगर आप हार्ट के पेशेंट हैं और खुद को सर्दियों में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो आप इन बातों को जरूर ध्यान में रखें।

सर्दियों में हार्ट के मरीज ऐसे बरतें सावधानियां

- सर्दियों के मौसम में आप अनहेल्दी फूड खाने से बचें। अगर आप ठंड के दिनों में ज्यादा तला भुना या फाइड चीज खाते हैं,तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्लड फ्लो वैसे ही कम हो जाता है और ऑयली चीज खाने से ब्लड वेसल में फैट जमा हो जाएगा तो ब्लड फ्लो पूरी तरह से बाधित हो सकता है। यह हार्ट हेल्थ के मरीजों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचता है।
- हार्ट के मरीजों को एक्सरसाइज रेगुलर बेसिस पर करना जरूरी होता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं और कंफर्टेबल फूड खाने के आदी हो जाते हैं। ऐसे में वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है और इससे हार्ट पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इससे बचने का बेहतर उपाय यह है कि आप बहुत ज्यादा एक्सरसाइज नहीं भी कर पाए तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज हर रोज करें। इससे आप एक्टिव रहेंगे और हार्ट भी ठीक से फंक्शन करेगा।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर धूप की कमी के चलते मेंटल हेल्थ खराब हो जाता है। अक्सर लोग डिप्रेशन और स्ट्रेस के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि तनाव कम लें, स्ट्रेस मैनेज करें। क्योंकि स्ट्रेस की वजह से बीपी बढ़ सकता है और यह हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखना जरूरी होता है। ऐसे में सर्दियों में जितना कम हो सके उतना नमक का सेवन करें, शरीर में नमक पानी को रोकता है और हार्ट को इस लिक्विड को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- अक्सर लोग सर्दियों में धूम्रपान ज्यादा करते हैं। इससे भी हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है। इससे धमनियों में प्लाक जमा होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। कोशिश करें कि धूम्रपान ना करें

महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है सर्वाइकल कैंसर

कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। यह कई प्रकार के होते हैं। इन्हीं में से एक है सर्वाइकल कैंसर। यह महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद भारत में इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित है। यह महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी के महीने को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। इसे गर्भाशय के मुंह का भी कैंसर कहा जाता है। महिलाओं में गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाले हिस्से को सर्विक्स कहते हैं। इस वजह से इसमें होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर एचपीवी यानी कि ह्यूमन पैपिल्लोमा वायरस के कारण होता है । एचपीवी शरीर में अंदर प्रवेश करके यूटरस के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है और धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है। दरअसल इसके लक्षण काफी आम होते हैं जिसकी वजह से अक्सर महिलाएं से नजरअंदाज कर देती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक 30 की उम्र की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर खतरा ज्यादा रहता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार होते हैं, जिसमें से है एक से अधिक साथी के साथ संबंध बनाना, खराब हाइजीन, बर्थ कंट्रोल पिल्स का इस्तेमाल करना, स्मोकिंग और परिवार का इतिहास इस कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में ऐसे चलता है पता

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण वैसे दिखाई नहीं देते हैं,लेकिन फिर भी आपको शक है तो इसलिए इसकी स्क्रीनिंग टेस्ट होती है। पैप स्मीयर टेस्ट सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट होता है। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के ऊतकों का नमूना लिया जाता है। अगर इसमें असामान्य कोशिकाएं मिलती हैं तो एचपीवी टेस्ट की जाती है।इन जांचों से सर्वाइकल कैंसर का पता लगता है। इसके बाद इलाज शुरू किया जाता है।

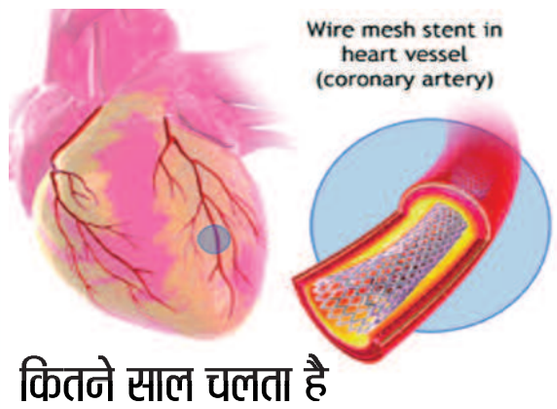

कितने साल चलता है हार्ट का कोरोनरी स्टेंट

कोरोनरी स्टेंट एक तकनीकी उपाय है जिसका उपयोग धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) को खोलने के लिए किया जाता है ताकि रक्त स्वतंत्रता से हृदय में पहुंच सके। इसका उपयोग हृदय संबंधित समस्याओं, जैसे कि दिल का दौरा, कोरोनरी आर्टरी रोग, या अन्य धमनीक बीमारियों के इलाज में किया जाता है। कोरोनरी स्टेंट जिस तकनीकी साधन का उपयोग किया जाता है, वह साधन धातु से बना होता है और धातु की दरबारी विशेषता और रक्त की प्रवाह की गति के आधार पर इसकी जीवनकाल की अधिकतम विशेषता को निर्धारित करती है। कई प्रकार के स्टेंट्स उपलब्ध हैं, जिनमें शास्त्रीय (बेयर-मेटलिक) और ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स शामिल हैं। शास्त्रीय स्टेंट्स का जीवनकाल आमतौर पर कुछ साल से लेकर कई दशक तक हो सकता है, जबकि ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स में शास्त्रीय स्टेंट्स के मुकाबले ड्रगों का उपयोग किया जाता है जो आराम से विघटित होते हैं और उनका प्रभाव अधिक समय तक बना रहता है। यह निर्भर करता है कि रोगी का स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक स्थिति, और स्थानांतरण का उपयोग किस तकनीकी साधन पर किया गया है। आपके चिकित्सक से यह सवाल करना हमेशा उचित होता है।

सर्दी में सेहत ना पड़ जाए ठंडी

सर्दियों का मौसम उत्तर भारत में दस्तक दे चुका है। कहते हैं कि सर्दी का मौसम सेहत के नजरिए से बेहतर होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं इस मौसम में आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि आप भी सर्दी में अपनी सेहत बेहतर बना सकें और सर्दियों को एंजॉय कर सकें।

आमतौर पर हम गर्मियों में कम खाना खाते हैं तो उसकी तुलना में सर्दियों में भूख में भी इजाफा होता है। सर्दियों में शरीर से मेहनत भी कम होती है। खासकर इस मौसम में सभी को अपनी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में किस प्रकार से अपना ख्याल रखा जाता है और किन-किन सावधानियों को ध्यान में रखा जाता है। अपनी डाइट का इस तरह रखें खास ख्याल सर्दियों के मौसम में खानपान का खास ख्याल रखना काफी ज्यादा जरूरी हो जाता है। क्योंकि इस मौसम में शरीर में कई प्रकार की बीमारियां भी लगने का खतरा बना रहता है। इस बारे में डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियां आते ही सिट्रस या विटामिन सी युक्त पदार्थों के सेवन पर ध्यान दें। इसके लिए संतरा, नींबू, आंवला आदि में से कोई एक दिन में जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सर्दी खांसी आदि से भी बचाव होगा। विटामिन डी के सेवन का भी ध्यान रखें व धूप में भी वक्त बिताएं। इसके अलावा भोजन में हल्दी, अदरक व लहसून की मात्रा जोड़ें। इसके लिए व्यंजनों में पिसा अदरक जोड़ा जा सकता है और सलाद में ऊपर से कद्दूकस करके भी डाला जा सकता है।

वजन कम करने में मदद करते हैं ये फूड

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप साबुत अनाज, दलिया आदि का सेवन करते हैं तो ये वजन कम करने में भी असरदार हैं और दिल के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। इस मौसम में सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए। इस मौसम में फाइड और सैचुरेटेड फूड्स का उपयोग नहीं करना चाहिए।

खाने के आधे घंटे बाद पीएं पानी

वैसे तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में कम पानी पिया जाता है, लेकिन इस मौसम में आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। याद रखें कि पानी खाना खाने के तुरंत बाद ना लेकर आधे घंटे के अंतराल पर पीएं। वहीं, अगर आप इस मौसम में हर्बल-टी पीते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल भी डाउन होता है।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आप अपनी बॉडी फिट रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सर्दियों से अच्छा मौसम और कोई नहीं हो सकता है। इस दौरान आप अपने वजन को कंट्रोल करें। बॉडी को फिट रखने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज कीजिए। अगर आप जिम में जाकर एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना वॉक पर जाएं। चलने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और इससे खून का दौरा बढ़ता है। सर्दियों के मौसम में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना चाहिए। इस मौसम में नमक का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि अधिक नमक का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नींद लें पूरी, गर्म चीजों का करें सेवन

सर्दियों के मौसम में ठंड से बचाव के लिए खुद को गर्म कपड़ों से कवर रखना चाहिए। इस दौरान पैर, सिर और कानों को खासतौर से ढककर रखना चाहिए। सर्दियों में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ठंड के मौसम में शरीर को ठंड से बचाने के लिए जैसे गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक इसी प्रकार से गर्म चीजों का सेवन भी किया जाता है। इस दौरान स्किन सूखने लग जाती और फटने भी लगती है तो इसके लिए ऑयल या बॉडी लोशन का उपयोग कर सकते हैं।

मलाइका से ब्रेकअप के बाद बोले अर्जुन कपूर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर इन दिनों अपनी फिल्म सिंघम अगेन में निभाए गए किरदार डेंजर लंका को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच प्यार को लेकर अर्जुन कपूर का एक बयान सामने आया है, जिसे सुनकर सभी हैरान रह गए। अर्जुन कपूर ने कहा कि उन्हें मान्यता मिलना अच्छा लगता है, चाहे प्रशंसक उन्हें उनके किरदार के नाम से बुलाएं या उनके काम के माध्यम से।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान अर्जुन ने कहा, मैंने प्यार और सराहना पाने के लिए धैर्य और सम्मान के साथ लंबे समय तक इंतजार किया है। मुझे लगता है कि मेरे डेब्यू को बहुत प्यार मिला, कहीं न कहीं, मैं बस उस भावना को फिर से जगाना चाहता था। मैं बस एक दिन एक बार ले रहा हूं। चाहे वह इंटरव्यू में हो या आम लोग जो मुझे किरदार के नाम से बुलाते हैं। आप मान्य महसूस करना चाहते हैं। इसलिए मैं वास्तव में इस पल का आनंद ले रहा हूं। यही है प्रशंसकों की ऊर्जा, उत्साह और सच्चा प्यार। आपको अभी भी अगले अवसरों पर कड़ी मेहनत करनी है और अवसरों को जिम्मेदारी से चुनना है।

अर्जुन कपूर ने कहा, मैंने यह भी माना है कि मेरे लिए प्यार है। ऐसे लोग हैं जो मेरा उत्साह बढ़ाते हैं और मेरा समर्थन करते हैं। शायद यह बुराई पर अच्छाई की जीत से आता है। आखिरकार, इस दुनिया में कई अच्छे लोग हैं और जो आपका समर्थन कर रहे हैं। पिछले पांच साल मेरे लिए मुश्किल रहे हैं। अर्जुन कपूर ने 2012 में इश्कजादे से डेब्यू किया था और उसके बाद गुंडे, 2 स्टेट्स, फाइंडिंग फैनी, हाफ गर्लफ्रेंड, पानीपत, संदीप और पिंकी फरार, सरदार का ग्रैंडसन, भूत पुलिस, एक विलेन रिटर्न्स और कुत्ते जैसी फिल्मों में नजर आए। वह अब सिंघम अगेन की सफलता का जश्न मना रहे हैं, जिसमें उन्होंने खलनायक डेंजर लंका की भूमिका निभाई थी। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर और दीपिका पादुकोण जैसे सितारे शामिल हैं।

बॉलीवुड के अलावा साउथ में बजेगा कियारा आडवाणी की फिल्मों का डंका

कियारा आडवाणी बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। कियारा की कई धांसू फिल्में आने वाली हैं, जिनमें से कुछ फिल्में बॉलीवुड की हैं तो वहीं कुछ फिल्में साउथ की हैं। आइए जानते हैं किन धमाकेदार फिल्मों में कियारा नजर आएंगी।

कियारा आडवाणी के पास कई आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें वे नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में निर्देशक फरहान अख्तर की डॉन 3, राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म वॉर 2 और हो सकता है कि कियारा भूल भुलैया 4 का भी हिस्सा बन सकती हैं।

राम चरण की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। काफी लंबे समय बाद फिल्म का टीजर और ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया। फिल्म का गाना पहले ही धूम मचा चुका है। गेम चेंजर में राम चरण आईएएस ऑफिसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म में वो बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह पहली बार है जब राम चरण और कियारा आडवाणी एक साथ फिल्म में नजर आएंगे। गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी

डॉन 3 का निर्देशन फरहान अख्तर कर रहे हैं। इस बार डॉन में डॉन की भूमिका में रणवीर सिंह नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर के अलावा कियारा आडवाणी की एंट्री भी हो गई है। हालांकि, फिल्म कब रिलीज होगी अभी तक इसकी कोई रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन हो सकता है कि यह फिल्म 2025 को रिलीज हो जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार फिल्म की कहानी में डॉन कैसे बना डॉन पर बेस्ड होगी।

वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की जोड़ी नजर आएगी। ऐसा पहली बार है जब किसी फिल्म में ऋतिक के साथ जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इस फिल्म में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। वॉर 2 का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं।

इन सभी फिल्मों के अलावा कियारा भूल भुलैया 4 में भी नजर आ सकती हैं। कियारा फिल्म भूल भुलैया 2 में भी थीं। भूल भुलैया 3 की आपार सफलता के बाद ही यह जानकारी सामने आई थी कि फिल्म का चौथा भाग भी आएगा। हालांकि फिल्म निर्माता-निर्देशकों की ओर से फिल्म के चौथे भाग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अगर भूल भुलैया 4 आती है तो जाहिर सी बात है कि उसमें कियारा नजर आ सकती हैं।

कैमरे के पीछे वापस जाना चाहते हैं करण जौहर

फेमस फिल्म मेकर करण जौहर कैमरे के पीछे वापस जाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ पुरानी तस्वीरों के साथ अपनी यह इच्छा जाहिर की। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर करण ने लिखा, कैमरे के पीछे, मेरी पसंदीदा जगह..वापस आने का इंतजार नहीं कर सकता। इस नोट के साथ उन्होंने सेट से अपनी कई तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वे अपनी कई फिल्मों का निर्देशन करते दिखाई दे रहे हैं। पहली ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर में, करण को निर्देशक के मॉनिटर को देखते हुए देखा जा सकता है, जबकि अनिल कपूर कुर्सी पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में करण को सेट पर ऋतिक रोशन के साथ बातचीत करते हुए देखा जा सकता है। आखिरी तस्वीर में करण रणबीर के साथ दिखाई दे रहे हैं, जो उनकी पिछली निर्देशित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से है।

बता दें कि करण की यह पोस्ट उनके अगले निर्देशन की ओर इशारा करती है, जिसकी घोषणा उन्होंने अपने जन्मदिन पर की थी। अपने जन्मदिन पर करण ने फिल्म के ड्राफ्ट को पकड़े हुए अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। उनके करियर पर नजर डालें तो करण जौहर ने शाहरुख अभिनीत कुछ-कुछ होता है से अपने निर्देशन की यात्रा शुरू की थी। इसमें शाहरुख खान, रानी मुखर्जी और काजोल ने साथ काम किया। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई और निर्देशकों की बड़ी लीग में सभी स्टार ने अपनी जगह पक्की कर ली। बाद में करण ने शाहरुख के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया और उन्होंने कभी खुशी, कभी गम, कल हो ना हो और माई नेम इज खान जैसी कई हिट फिल्में बनाईं। 2012 में उन्होंने तीन नए कलाकारों आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा को मुख्य भूमिका में लेकर स्टूडेंट ऑफ द ईयर का निर्देशन किया। 2016 में उन्होंने रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा और ऐश्वर्या राय के साथ ऐ दिल है मुश्किल का निर्देशन किया। इसके बाद करण जौहर ने निर्देशन से लंबा ब्रेक लिया और फिर 2023 में रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के साथ निर्देशन में वापसी की।

बीहड़ों की डकैत बनीं मोनालिसा, नए शो में दिखेगा खूंखार अंदाज

अभिनेत्री मोनालिसा जल्द ही नए शो में नजर आएंगी, नाम है प्रेम लीला। अभिनेत्री इस शो में बीहड़ों की डकैत का रोल अदा कर रही हैं। हाथों में बंदूक थामे उन्होंने शूटिंग की तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, बीहड़ो की डकैत है, वो बेरहम और खूंखार जिसके लिए लीला है इंतकाम का हथियार। मोनालिसा के किरदार का नाम रुद्राक्षी है। यह शो 16 दिसंबर से शुरू हो रहा है और दंगल टीवी पर प्रसारित होगा।

भेड़िया 2 में कैमियो पर श्रद्धा कपूर ने तोड़ी चुप्पी

श्रद्धा कपूर ने इस साल अपनी हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा दिया। वहीं, अब हर किसी की निगाहें श्रद्धा के आगामी प्रोजेक्ट्स पर टिकी हुई हैं। स्त्री 3 को तो लेकर श्रद्धा अपडेट दे ही चुकी हैं। इसी बीच वह वर्तमान में सऊदी अरब में चल रहे रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 का हिस्सा बनीं और एक स्पष्ट बातचीत में शामिल हुईं।

इस दौरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्मों को लेकर कुछ दिलचस्प खुलासे किए। इस इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर से भेड़िया 2 में उनके कैमियो को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने जवाब दिया, यह तो समय ही बताएगा कि मैडॉक की किसी अन्य फिल्म में मेरा कोई और कैमियो आएगा या नहीं। श्रद्धा कपूर ने भविष्य की फिल्मों की घोषणाओं का भी संकेत दिया।

आगामी फिल्मों पर जल्द देंगी अपडेट

श्रद्धा कपूर ने कहा, लेकिन, बहुत जल्द मैं उन फिल्मों को साझा करूंगी जो मैं कर रही हूं, जिनकी शूटिंग मैं अगले साल करूंगी। विशेष रूप से, उनके निखिल द्विवेदी की नागिन में अभिनय करने की खबर है और शूटिंग 2025 में शुरू होगी। द्विवेदी ने नागिन को लेकर कहा था, आप काफी अलौकिक और अलग फिल्म देखेंगे।

स्त्री 3 पर लग चुकी है पक्की मुहर

इससे पहले, श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 के को स्टार राजकुमार राव ने संकेत दिया था कि भेड़िया 2, स्त्री 3 से पहले रिलीज हो सकती है। उन्होंने पुष्टि की थी कि निर्देशक अमर कौशिक के पास स्त्री फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त की योजना है। राजकुमार राव ने कहा था, बनेगी, निश्चित रूप से बनेगी और कोशिश करेंगे पार्ट 1 और 2 से भी बेहतर बने।

सनी देओल ने अनाउंस की रामायण में अपनी एंट्री

सनी देओल, नितेश तिवारी की फिल्म रामायण में नजर आएंगे। एक्टर फिल्म को लेकर काफी दिनों से चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर ये भी अफवाहें थी कि वो इस फिल्म में भगवान हनुमान का रोल प्ले करेंगे। इसी बीच एक्टर ने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म को लेकर कई खुलासे किए हैं। नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी फिल्म रामायण रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में है। सनी देओल ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत के दौरान फिल्म रामायण के बारे में कुछ खुलासे किए। एक्टर ने खुद कंफर्म किया कि वो इस फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि उन्होंने अपने किरदार के बारे में अब तक कोई जानकारी शेयर नहीं की है।

ये एक लंबा प्रोजेक्ट है

सनी ने आगे बताया कि मेकर्स की फिल्म को लेकर क्या प्लानिंग है। एक्टर ने कहा- 'ये एक लंबा प्रोजेक्ट है, क्योंकि मेकर्स इसे अवतार और प्लेनेट ऑफ द एप्स जैसी फिल्मों की तरह बनाने की कोशिश कर रहे हैं। राइटर और प्रोड्यूसर इस बारे में बहुत क्लियर हैं कि फिल्म को किस तरह से बनाया जाना है और किरदारों को कैसे प्रेजेंट करना है।

स्पेशल इफेक्ट को लेकर की बात

सनी ने कहा- 'फिल्म में आपको स्पेशल इफेक्ट्स भी देखने को मिलेंगे, जो आपको ये यकीन दिलाएंगे कि ये घटनाएं सच में घटित हुई हैं, आपको ऐसा नहीं लगेगा कि ये सिर्फ स्पेशल इफेक्ट्स के कारण हो रहा है। ईमानदारी से कहूं तो मुझे पूरा यकीन है कि ये बहुत बढ़िया फिल्म होगी और मुझे यकीन है कि हर कोई इसे पसंद करेगा।'

यश ने खुद बताया था कि वो रावण का रोल निभा रहे हैं

कुछ समय पहले यश भी द हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू इस बात की पुष्टि कर चुके हैं कि वो फिल्म रामायण में रावण का रोल निभा रहे हैं। उन्होंने कहा था, 'एक एक्टर के तौर पर मेरे लिए रावण का किरदार निभाना बहुत ही रोमांचक है। मुझे उनके किरदार की बारीकियां बहुत पसंद हैं।'

लक्ष्मण का किरदार निभाएंगे रवि दुबे

टीवी एक्टर रवि दुबे ने भी अपने रोल का खुलासा कर दिया है। कनेक्ट सिने से बातचीत के दौरान रणबीर कपूर के साथ काम करने का एक्सपीरिएंस शेयर किया था। साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा था- मैं फिल्म में लक्ष्मण का किरदार निभा रहा हूं। आखिरकार मुझे अपने किरदार के बारे में कुछ भी शेयर करने के लिए प्रोड्यूसर्स से परमिशन मिल गई। कुछ समय पहले प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ने पोस्ट शेयर कर फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की थी। साथ ही उन्होंने लिखा था- 'मैंने इस महाकाव्य को बड़े पर्दे पर लाने के लिए एक महान खोज शुरू की थी। जिसने 5000 वर्षों से अधिक समय तक अरबों दिलों पर राज किया है। मैं इसे खूबसूरती से आकार देते हुए रोमांचित हूं। हमारी टीम का केवल एक ही उद्देश्य है- हमारे इतिहास, हमारी सच्चाई और हमारी संस्कृति- हमारे रामायण का सबसे प्रामाणिक, पवित्र रूप दुनियाभर के लोगों के सामने पेश करना।' हमारे साथ जुड़ें क्योंकि हम अपने महानतम महाकाव्य को गर्व और श्रद्धा के साथ जीवंत करने के अपने सपने को पूरा कर रहे हैं।

साल 2026 में आएगा फिल्म का पहला पार्ट

फिल्म रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम का किरदार निभाएंगे और पल्लवी माता सीता का किरदार निभाएंगी। वहीं, सुपरस्टार यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी, जिसका पहला पार्ट 2026 में दिवाली के मौके पर रिलीज होगा और दूसरा पार्ट 2027 में रिलीज होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णा टेकरीवाल के द्वारा कदम कुआं पटना से प्रकाशित। खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें 9801716267